RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:22 ता. 15 जूलाई 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भारत और फ्रांस का रिश्ता ऐतिहासिक: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पीएम मोदी ने पेरिस में भारतीय समुदाय के लोगों को किया संबोधित
-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस की जनता को दी नेशनल डे की बधाई

नई दिल्ली। पेरिस के ला सीन म्यूजिकल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय समुदाय के बीच अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के नारे के साथ की। उन्होंने कहा कि आज का ये नजारा, ये दृश्य अपने आप में अद्भुत है। ये उत्साह अभूतपूर्व है। ये स्वागत उल्लास से भर देने वाला है। भारत माता की आवाज सुनकर ऐसे लगता है कि घर आ गया हूं। आप सभी का यहां आने के लिए हृदय से आभार। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता ऐतिहासिक है।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं इससे पहले भी कई बार फ्रांस आ चुका हूं लेकिन इस बार मेरा फ्रांस आना और भी विशेष है। कल फ्रांस का नेशनल डे है। मैं फ्रांस की जनता को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं फ्रांस के लोगों का हृदय से धन्यवाद करता हूं।

मोदी ने कहा कि आज दिन में प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न मुझे एयरपोर्ट पर रिसीव करने आई थीं और कल मैं अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ नेशनल डे परेड का हिस्सा बनूंगा। ये आत्मीयता सिर्फ दो देशों के नेताओं के बीच नहीं है बल्कि ये भारत-फ्रांस की अटूट दोस्ती का प्रतिबिंब है, रिफ्लेक्शन है।

उन्होंने यहां भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश से दूर जब मैं भारत माता की जय का आह्वान सुनता हूं, कहीं से आवाज आती है- नमस्कार तो ऐसा लगता है जैसे घर आ गया हूं पर हम भारतीय जहां भी जाते हैं, एक मिनी इंडिया जरूर बना लेते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे आज बताया गया कि इस समारोह में बहुत लोग ऐसे हैं, जो 11-11, 12-12 घंटे सफर करके यहां पहुंचे हैं। इससे बड़ा प्यार क्या हो सकता है। हम जानते हैं कि टेक्नोलॉजी के जमाने में किसी के लिए भी घर बैठकर के मोबाइल फोन पर लाइव टेलीकास्ट सुनना तो मुश्किल काम नहीं है लेकिन उसके बावजूद भी इतनी बड़ी तादात में, इतने दूर से लोगों का आना, समय निकालकर आना... मेरे लिए तो एक बहुत बड़ा सौभाग्य का अवसर है कि मुझे आप सबके दर्शन करने का अवसर मिला है। मैं आप सभी का यहां आने के लिए हृदय से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

मिशन चन्द्रयान-3 का किया प्रक्षेपण

चेन्नई। भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 का शुक्रवार अपराह्न दो बजकर 35 मिनट पर आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र श्रीहरिकोटा के शार रेंज से प्रक्षेपण किया गया। इसरो अध्यक्ष ने प्रक्षेपण को सफल बताते हुए इसरो परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। करीब 3900 किलोग्राम के इस चन्द्रयान-3 के प्रक्षेपण के अवसर पर इसरो के वैज्ञानिकों के आलावा केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ड़ा जितेन्द्र सिंह उपस्थित थे। मिशन तैयारी समीक्षा के बाद, प्रक्षेपण प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी जिसके बाद सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (एसडीएससी केंद्र) में प्रतिष्ठित मिशन की उलटी गिनती गुरुवार को भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजकर 35 मिनट 17 सेंकेड पर शुरू हुई। इसरो के अनुसार 170 गुना 36500 किलोमीटर आकार की एलिप्टिक पार्किंग कक्षा में एकीकृत चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान मॉड्यूल को प्रक्षेपित करने के लिए संगठन के सबसे भारी रॉकेट लॉन्च वाहन मार्क -3 (एलवीएम 3-एम 4) का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस 642 टन भार के साथ 43.5 मीटर लंबा प्रक्षेपण वाहन ने पूर्ण संतुलन के साथ आज दोपहर 2.35 बजे दूसरे लॉन्च पैड से धुएं और लपट छोड़ते हुए उड़ान भरी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह ट्विटर पर कई ट्वीट के माध्यम से जारी संदेश में कहा कि जहां तक ??भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का सवाल है, 14 जुलाई 2023 हमेशा सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा। चंद्रयान-3, हमारा तीसरा चंद्र मिशन, अपनी यात्रा शुरू करेगा। यह उल्लेखनीय मिशन हमारे देश

की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा।

श्री मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा, ÷मैं आप सभी से इस मिशन और अंतरिक्ष, विज्ञान और नवाचार में हमने जो प्रगति की है, उसके बारे में और अधिक जानने का आग्रह करता हूं। इससे आप सभी को बहुत गर्व महसूस होगा। इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ के कल बताया था कि चंद्रमा पर सूर्योदय होने पर तिथि (उतरने की तिथि) तय की जाती है। जब हम उतर रहे हों तो सूर्य की रोशनी अवश्य होनी चाहिए। इसलिए लैंडिंग 23 या 24 अगस्त को होगी।

जम्मू-कश्मीर में बिहार के 3 मजदूरों पर आतंकी हमला, तीनों का इलाज जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में गुरुवार को एक बार फिर आतंकियों ने बाहरी लोगों को अपना निशाना बनाया। बिहार के रहने वाले तीन प्रवासी मजदूरों को गोली मार दी। तीनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों की पहचान अनमोल कुमार, हीरालाल यादव और पिंटू कुमार ठाकुर के रूप में हुई है। इसकी जानकारी जम्मू पुलिस ने दी है। फिलहाल पुलिस और सुरक्षाबल ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश कर रही है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 10 जुलाई को प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन JKLF और हुर्रियत को फिर से एक्टिव करने के लिए काम कर रहे 10 आतंकियों को गिरफ्तार किया।

न्यायमूर्ति राव तेलंगाना हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति पोनुगोती नवीन राव को इसी उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

न्यायमूर्ति राव आज ही सेवानिवृत्ति हो जायेंगे और उनकी जगह न्यायमूर्ति अभिनंद कुमार शाविलि उनकी जगह न्यायाधीश बनेंगे। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से गुरुवार को जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। अधिसूचना के अनुसार न्यायमूर्ति राव की शुक्रवार की सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभिनंद कुमार शाविलि उनकी जगह लेंगे। न्यायमूर्ति शाविलि के उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की घोषणा इसी अधिसूचना में की गई है। गौरतलब है कि तेलंगाना के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां को पदोन्नत कर शीर्ष न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

सहमति से संबंध बनाने की उम्र कम की जाए, बॉम्बे हाईकोर्ट ने संसद को दी सलाह; कहा- कई देश ऐसा कर चुके

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सहमति से यौन संबंध बनाने की कानूनी उम्र सीमा को कम करने पर अहम सुझाव दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि कई देशों ने किशोर उम्र के लड़के और लड़कियों के लिए सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र कम कर दी है। अब समय आ गया है कि हमारा देश और संसद भी दुनियाभर में हो रही घटनाओं पर ध्यान दे और इस पर विचार करे। भारत में 1940 से 2012 तक सहमति से संबंध बनाने की उम्र 16 साल थी। पॉक्सो एक्ट के आने के बाद सहमति की उम्र बढ़ाकर 18 वर्ष कर दी गई, जो शायद विश्व स्तर पर सबसे अधिक उम्र में से एक है।

पॉक्सो के बढ़ते मामलों पर हाईकोर्ट ने चिंता जताई-हाई कोर्ट की जस्टिस भारती डांगरे की एकल पीठ ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम से जुड़े आपराधिक मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। जस्टिस डांगरे ने कहा, ÷यहां आरोपियों को तब भी दंडित किया जाता है, जब पीड़ित खुद कहते हैं कि वे सहमति से रिश्ते में थे।' जस्टिस डांगरे ने कहा कि 20 साल का कोई लड़का 17 साल और 364 दिन की लड़की के साथ यौन संबंध बनाता है, तो उसे उसके

साथ रेप करने का दोषी पाया जाएगा, भले ही लड़की ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया हो कि वह भी यौन संबंध में समान रूप से शामिल थी।

नाबालिग की सहमति से संबंध बनाने वाले युवक को रिहा किया-हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी 25 वर्षीय व्यक्ति दायर अपील पर की, जिसमें उसने एक विशेष अदालत के फरवरी 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। विशेष अदालत ने उसे 17 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म के लिए दोषी ठहराया था। लड़का और लड़की ने दावा किया था कि वे सहमति से रिश्ते में थे। जस्टिस भारती डांगरे ने विशेष अदालत के दोषसिद्धि के आदेश को रद्द कर दिया और आरोपी को बरी कर दिया और आरोपी को जेल से तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

सहमति से संबंध की उम्र को शादी की उम्र से अलग किया जाए

हाईकोर्ट ने कहा कि सहमति से संबंध की उम्र को शादी की उम्र से अलग किया जाना चाहिए। कई देशों में अलग-अलग कानूनों के जरिए सहमति की उम्र बढ़ाई गई है। अधिकांश देशों ने सहमति की उम्र 14 से 16 वर्ष के बीच है। जर्मनी, इटली, पुर्तगाल और हंगरी जैसे देशों में सेक्स के लिए सहमति देने में 14 साल की उम्र के बच्चों को सक्षम माना जाता है। लंदन और वेल्स में सहमति की उम्र 16 साल है और जापान में यह 13 साल है।

मुख्तार अंसारी का खास ख्याल रखने वाले जेलर वीरेन्द्र कुमार वर्मा सस्पेंड

लखनऊ। यूपी के बड़े माफिया मुख्तार अंसारी को बांदा जेल में हर मुमकिन सुविधा मूहैया कराने और गैरवाजिब ढंग से मदद पहुंचाने वाले जेलर वीरेन्द्र कुमार वर्मा पर आखिरकार ऐक्शन हो गया है। वीरेन्द्र कुमार वर्मा को सस्पेंड कर दिया गया है। यह ऐक्शन डीआईजी जेल प्रयागराज की जांच रिपोर्ट के आधार पर हुआ है। आरोप है कि वीरेन्द्र वर्मा जेल में मुख्तार अंसारी की मिलाई कराने से लेकर उसके लोगों द्वारा भेजी गई चीजों को उस तक पहुंचाने के काम में लगे हुए थे। बांदा जेल में जब तक उनकी तैनाती रही वह यह काम करते रहे।

बढ़ सकती हैं मुख्तार की मुश्किलें

उधर, मुख्तार अंसारी की मुश्किलें भी अब और बढ़ सकती हैं। बुधवार को बाराबंकी के एमपी-एमएलए कोर्ट में गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में उसकी और उसके गुर्गों की पेशी थी। गवाही के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्तार खुद पूरी कार्यवाही पर नजर रखे था।

2021 से बांदा जेल बंद है मुख्तार

मुख्तार अंसारी 2021 से बांदा जेल में बंद है। पिछले महीने वाराणसी की एमपी एमएलए कोर्ट ने उसे 32 साल पुराने अवधेश राय हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

पीएम मित्रा पार्क से मिलेगी सर्कुलर इकोनॉमी को तेजी : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

नवसारी/सूरत। गुजरात के नवसारी जिले के वांसी-बोरसी गांव में 1141 एकड़ क्षेत्र में 'पीएम मित्रा पार्क' के निर्माण के लिए गुरुवार को सूरत की वीर नर्मद यूनिवर्सिटी के कन्वेंशन हॉल में आयोजित एमओयू समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में राज्य एवं केंद्र सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री पियुष गोयल ने कहा कि यहां विश्व स्तरीय 'प्लग एंड प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता के साथ ही प्रशिक्षण, अनुसंधान और

नवाचार का त्रिवेणी संगम सृजित होगा। यह पार्क टेक्सटाइल क्षेत्र की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देकर निर्यात को और गति देगा। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क एक अनूठा औद्योगिक मॉडल बनेगा, जहां केंद्र और राज्य सरकारें कपड़ा उद्योग में निवेश बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहन देने, रोजगार के अवसर पैदा करने और भारत को कपड़ा उत्पादन एवं निर्यात के लिए ग्लोबल हब बनाने के लिए साथ मिलकर काम करेंगी। इस पार्क में उद्योग प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत दिए जाने वाले सभी लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात लॉजिस्टिक, नेशनल स्टार्टअप रैंकिंग, सुशासन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार सुगमता तथा एक्सपोर्ट इंडेक्स जैसे क्षेत्रों में अव्वल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बनाने का संकल्प किया है। दुनिया के सबसे पुराने उद्योगों में से एक कपड़ा उद्योग ने वर्तमान समय के अनुरूप और भविष्य के साथ तालमेल बिठाने के लिए आधुनिकीकरण का मार्ग चुना है। उन्होंने कहा कि नवसारी जिले की जलालपोर तहसील के वांसी-बोरसी में 1141 एकड़ में आकार लेने वाला मेगा इंटीग्रेटेड अपैरल पार्क दक्षिण गुजरात सहित समूचे राज्य में रोजगार के नए अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ गुजरात के टेक्सटाइल उद्योग को और तेजी देगा। गुजरात के कपड़ा उद्योग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के कुल निर्यात में गुजरात दूसरे स्थान पर है। देश के डेनिम कपड़े का 60 से 70 फीसदी उत्पादन अकेला गुजरात करता है, जो पूरे देश में प्रथम और दुनिया में तीसरे स्थान पर है।

दिल्ली में आईटीओ और राजघाट समेत कई रास्ते बंद, किन सड़कों पर चलना अब भी मुश्किल

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी में आई ऐतिहासिक बाढ़ की चलते से आईटीओ, लालकिला, कश्मीरी गेट, राजघाट समेत इलाकों में आज भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। यमुना ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सुबह सुबह 8 बजे यमुना नदी का जलस्तर 208.44 मीटर दर्ज किया गया। यमुना के जलस्तर में आज मामूली कमी जरूर आई है, लेकिन खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है। सड़कों पर कई फुट तक बाढ़ का पानी जमा होने से जगह-जगह जाम देखा जा रहा है। इन रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया है। इनमें रिंग रोड, निगम बोध घाट, यमुना बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट और भैरों मार्ग समेत कई सड़कों पर यातायात प्रभावित हो रहा है। पुलिस द्वारा लोगों को इन रास्तों पर नहीं जाने की सलाह दी गई है। यमुना का जलस्तर में भले ही मामूली कमी आई है, लेकिन राजघाट और आईटीओ के आसपास पानी का बहाव काफी तेज हैं। सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चल रहे हैं और राजघाट के अंदर भी पानी घुस गया है। गुरुवार को अधिकतर इलाकों में यातायात

बहुत धीमा रहा तथा यात्रियों को अपने गंतव्यों पर पहुंचने में बहुत परेशानी हुई।

दिल्ली में जल कर्फ्यू से कारोबारियों को 200 करोड़ से ज्यादा की चपत, ये इलाके रहे अधिक प्रभावित-यमुना में आए उफान के बाद सड़कों पर पानी भरने से आईटीओ, राजघाट, लालकिला, कश्मीरी गेट, बाहरी रिंग रोड, वजीराबाद, विकास मार्ग एवं महात्मा गांधी रोड पर कालीघाट से दिल्ली सचिवालय के बीच आज भी यातायात बाधित हो सकता है। इन रास्तों के बंद होने पर उत्तर से दक्षिण जाने के लिए बाहरी रिंग रोड, वजीराबाद पुल, यमुना बांध मार्ग, पुस्ता रोड और विकास मार्ग का रास्ता लिया जा सकता है। इसके अलावा बाहरी रिंग रोड, अरिहंत मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग होते हुए भी विकास मार्ग पहुंचा जा सकता है। पूर्व से पश्चिम दिशा में जाने वाले वाहन चालक पंजाबी बाग चौक से महात्मा गांधी मार्ग, अरिहंत मार्ग, बाहरी रिंग रोड होते हुए वजीराबाद पुल के रास्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इन रास्तों पर है अधिक परेशानी

- राजघाट, शांतिवन, यमुना बाजार और आईटीओ के आसपास पानी का बहाव काफी तेज होने से सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चल रहे हैं।

- यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली में आईटीओ रोड पर जलभराव होने से लोगों को भारी ट्रैफिक जाम हो गया है, जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

- राजघाट और शांति वन इलाके में सड़क पर भारी जलभराव की स्थिति से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यकर्ता की मौत के बाद सदन से लेकर सड़क पर बिहार भाजपा आक्रामक

पटना। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र का शुक्रवार को अंतिम दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया। गुरुवार को विधानसभा मार्च के दौरान पुलिस लाठीचार्ज को लेकर दोनों सदनों में भाजपा के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। विधानसभा की शुक्रवार को कार्यवाही प्रारंभ होते ही भाजपा के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। भाजपा विधायक पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में नारेबाजी करने लगे। इस बीच, नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि लाठीचार्ज में भाजपा के एक नेता की मौत हुई है। सिन्हा ने कहा कि यह मौत नहीं, बल्कि हत्या है। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने सिन्हा को बोलने का मौका नहीं दिया तब भाजपा के विधायक हंगामा और नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। भाजपा के विधायकों ने रिपोर्टर का टेबल उठा लिया और संजय सिंह मेज पर चढ़ गए। अध्यक्ष ने सिंह को मार्शल आउट कर दिया। भाजपा विधायकों के हंगामा के कारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इधर, विधान परिषद में भी भाजपा के सदस्यों ने जोरदार हंगामा कर सरकार के विरोध में नारेबाजी की। मार्शल आउट किए जाने के बाद विधायक सिंह ने कहा कि सदन में विपक्षी दलों के सदस्यों को अपनी बात रखने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आखिर वे विधायक क्या करें। उन्हे चोट पहुंचाने की कोशिश की गई। इससे पहले भाजपा के विधायकों ने सदन के बाहर मौन प्रदर्शन किया। विधायक मुंह पर काली पट्टी और हाथों में सरकार विरोधी तख्तियां लिए हुए थे। गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज और एक कार्यकर्ता की मौत के बाद शुक्रवार को भाजपा काला दिवस मना रही है।

तीन दिन में 8,000 से अधिक लोग कुल्लू-मनाली क्षेत्र छोड़ चुके

शिमला। हिमाचल प्रदेश में हुई मूसलाधार बारिश के बाद सड़क नेटवर्क फिर से खुलने से पिछले तीन दिनों में 8,000 से अधिक लोग कुल्लू-मनाली क्षेत्र छोड़ चुके हैं। सुरम्य मणिकरण में अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं, इसमें बड़ी संख्या में इजरायली भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने वाहनों के बिना जगह छोड़ने से इनकार किया है। कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक ने अपील में उनसे अपने गंतव्यों की ओर जाने को कहा। उन्होंने ट्वीट किया, मणिकरण आदि में रहने वाले कुछ लोग अपने वाहनों से वापस जाना चाहते हैं। यही उनके बाहर निकलने में देरी का कारण है। उनके अनुसार 14 जुलाई सुबह 6 बजे तक कुल 8,306 व्यक्ति चले गए हैं। पुलिस ने कहा, पार्वती घाटी में कसोल से 4-5 किमी पहले सुमारोपा तक मोबाइल कनेक्टिविटी बहाल हो गई है। हालांकि, कसोल और मणिकरण के बीच सड़क संपर्क शनिवार तक बहाल होने की उम्मीद है। कुल्लू के उपायुक्त ने कहा, घाटी में पुलगा, तुल्गा, रशोल और तोश जैसी जगहों पर हर कोई सुरक्षित है राज्य पुलिस और कुल्लू प्रशासन को धन्यवाद देकर रशिका गुप्ता ने ट्वीट किया, लगातार ट्वीट और जानकारी के लिए धन्यवाद। आखिरकार मैं अपने माता-पिता के संपर्क में हूं, जब वे भुंतर से मंडी जा रहे हैं। उसके बुजुर्ग माता-पिता तोश इलाके में फंस गए थे। उन्हें जवाब देकर डीजीपी अटवाल ने ट्वीट किया, हम आपके लिए खुश हैं, देवभूमि की परवाह। गुरुवार रात चंबा में प्रशासन और पुलिस की टीम ने मणिमहेश यात्रा के लिए बाहरी राज्यों से आए चार और लोगों को बचाया। उन्होंने कहा, इसके साथ ही मणिमहेश आए सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। एक सलाह में, पुलिस ने कहा कि औद्योगिक शहर को हरियाणा और चंडीगढ़ से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण बद्दी बैरियर पुल को हल्के वाहनों के लिए फिर से खोल दिया गया है।

ऑनलाइन नौकरी ऐप पर हर माह हजारों युवा धोखाधड़ी के शिकार

भोपाल। भोपाल के एक परिवार ने ऑनलाइन नौकरी के चक्कर में 2 बच्चों सहित पति पत्नी ने आत्महत्या कर ली। साइबर क्राइम गिरोह ने उसके दोस्तों और रिश्तेदारों पर दबाव बनाकर रुपये वसूल करने की चेष्टा की।जिससे घबराकर पूरे परिवार ने आत्महत्या कर ली। ऑनलाइन नौकरी एप पर एक बार फंसने के बाद उससे बाहर निकल ही नहीं पाता है। केवल भोपाल में हर माह सैकड़ों लोग इस धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। देशभर में हजारों लोग नौकरी पाने की लालच में इस ऐप से ठगे जा रहे हैं। युवाओं को कर्ज के जाल में फंसने के बाद आत्महत्या करने के लिए विवश होना पड़ रहा है। इस तरह की कंपनियां मनमाने तरीके से नियम कायदे कानून बनाकर युवाओं को खुलेआम ठग रहे हैं। जालसाज सोशल मीडिया पर ऑनलाइन जॉब के लिए लिंक और ऑफर भेजते हैं। छोटे-मोटे काम के लिए बड़ा भुगतान करने का लालच देते हैं। बेरोजगार युवा इन धोखेबाजो के शिकार हो जाते हैं।काम नहीं कर पाने, या लक्ष्य पूरा नहीं करने पर जुर्माना लगाकर युवाओं को ठगा जा रहा है। नौकरी के लालच में युवाओं से उनका मोबाइल एक्सेस ले लिया जाता है। मोबाइल फोन की समस्त जानकारी लेकर उनके दोस्तों और रिश्तेदारों पर भी दबाव बनाकर लूटमार करने के कारण, हर दिन हजारों युवा इस तरह की धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। इस तरह की धोखाधड़ी के शिकार युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या भी करने लगे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66 ए के हटने के बाद से अब इस तरह के मामलों में अन्य धाराओं पर मामला पुलिस को दर्ज करना पड़ता है। साइबर पुलिस इस तरह के मामले में प्रकरण दर्ज करने में भारी समय लगाती है। जिसके कारण इस तरीके की धोखाधड़ी और अपराध पर नियंत्रण लगने के स्थान पर अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं सरकार ने साइबर अपराध की शिकायत करने के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूसाइबर क्राइम। जीओव्ही पर शिकायत करने का प्रावधान किया है।लेकिन जब तक कार्यवाही हो, तब तक आदमी अपना सब कुछ खोकर आत्महत्या तक करने के लिए विवश हो रहा है। इस तरह के साइबर अपराधियों से बचने के लिए लोगों को खुद सजग रहने की जरूरत है।

योन संबंधों के लिए 18 की उम्र को कम करने मुंबई हाईकोर्ट का सुझाव

मुंबई। मुंबई हाईकोर्ट ने किशोरों की सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र को, 18 वर्ष से घटाने का सुझाव दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि कई देशों ने यौन संबंधों के लिए लड़के और लड़कियों की उम्र को घटा दिया है। अब समय आ गया है कि भारत में भी इस पर बदलाव करने की जरूरत है। हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति भारती डोंगरे की एकल पीठ ने यौन अपराधों से बच्चों को संरक्षण देने के लिए पास्को अधिनियम से जुड़े अपराधिक मामलों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए, इस पर अपनी चिंता जताई है। उन्होंने किशोरों मे आम सहमति से संबंध बन जाने पर पास्को एक्ट मे कार्यवाही पर चिंता जताई है। मुंबई हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी 25 वर्षीय व्यक्ति की ओर से दायर याचिका पर की है। विशेष अदालत ने 17 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने के आरोप में उसे सजा दी थी। जबकि लड़का और लड़की दोनों ने कहा कि उनके संबंध सहमति से बने थे। पास्को एक्ट में उम्र 18 साल की होने के कारण, सहमति से बने संबंधों के कारण भी युवाओं को दंडित किया जा रहा है। मुंबई हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि जर्मनी इटली इत्यादि देशों में युवाओं द्वारा 14 से 16 वर्ष की उम्र में यौन संबंध बनाने की अनुमति है।

अब यूपी में मूत्र कांड : सोनभद्र में दलित के कान में कर दिया पेशाब

सोनभद्र। मध्यप्रदेश के सीधी में हुए पेशाब कांड का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से भी कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां जुगैल थाना क्षेत्र में शराब के नशे में एक अधेड़ ने दलित युवक के कान में पेशाब कर दिया। विडियो वायरल होने के बाद मौके पर डीआईजी विंध्याचल व एसपी ने पहुंचकर आरोपी को गिरफ़्तार कर लिया। गौरतलब है कि सोनभद्र में 8 जुलाई को संविदा लाइनमैन द्वारा एक दलित युवक से चप्पल पर थूक चटवाने का वीडियो वायरल होने के बाद अब दलित व्यक्ति के कान में पेशाब करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वायरल वीडियो जुगैल थाना क्षेत्र के घटिहटा ग्राम पंचायत के कुसपरवा टोला का बताया जा रहा है. जिसका संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने सीओ ओबरा के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया. इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने बताया कि जुगैल थाना क्षेत्र के घटिहटा गांव का मामला है. पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति से बात की है जो कि कोल बिरादरी का है. उसने बताया है कि अभियुक्त जवाहिर पटेल के साथ 11 जुलाई को पिया खाया था. इस बीच किसी बात को लेकर वाद विवाद हुआ और जवाहिर पटेल ने उसके कान में पेशाब कर दिया, जिसकी जानकारी उसे वीडियो देखने के बाद हुई है. 11 जुलाई को अधिक नशे में होने के कारण इस तरह की घटना उसके साथ हुई थी, लेकिन उसे पता नहीं चल सका था. वादी व्यक्ति की तहरीर पर अभियुक्त जवाहिर पटेल सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि 4 जुलाई को मध्यप्रदेश के सीधी में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक युवक दूसरे व्यक्ति के ऊपर पेशाब कर रहा था।

उत्तराखंडवासियों से राहुल का वादा...10 दिनों तक जिलों में घूमुंगा

बीजेपी के मजबूत किले में सेंधमारी की तैयारी

देहरादून (एजेंसी)। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अब बीजेपी के फॉर्मूले से ही उस मात देने की तैयारी में है। राहुल गांधी और उनकी टीम बड़े राज्यों के अलावा छोटे राज्यों पर भी फोकस कर रही है। पिछले पांच साल में कांग्रेस की रणनीति में यह बड़ा बदलाव है। कांग्रेस विपक्षी बीजेपी के मजबूत किले में मजबूती से विरोध करती नजर आएगी। बीजेपी के विरोध के लिए राहुल गांधी नरेंद्र मोदी के स्टाइल में नजर आ रहे हैं। उन्होंने उत्तराखंड में पदयात्रा करने का ऐलान किया है, जहां लोकसभा की पांच सीटें हैं। पिछले दो आम चुनावों में देवभूमि की पांचों सीट भाजपा के खाते में रही है। बीजेपी इतिहास बनाते हुए उत्तराखंड में लगातार दूसरी बार विधानसभा चुनाव भी जीत चुकी है। बीजेपी के वर्चस्व को खत्म करने के लिए कांग्रेस ने जिन मुद्दों को उछाला है, वह उत्तराखंड के हिसाब से सटीक भी है।

पदयात्रा के बाद कर्नाटक की जीत से कांग्रेस को चुनाव जीतने का फॉर्मूला मिल गया है। कांग्रेस उत्तराखंड में पदयात्रा करेगी। राहुल गांधी ने वादा किया है कि वह भी 10 दिनों तक पहाड़ी राज्य के जिलों में घूमने वाले हैं। उनके साथ पदयात्रा में प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कांग्रेस के स्टार चेहरे भी शामिल होने वाले हैं। इस दौरान राहुल गांधी और उनकी टीम अग्निवीर योजना, भर्ती घोटाला और उत्तराखंड से युवाओं का पलायन का मुद्दा जोर-शोर से उठाएगी। कांग्रेस का कहना है कि अग्निवीर योजना ने युवाओं के सपने तोड़े हैं। कांग्रेस की रणनीतिकारों को लगता है कि अग्निवीर योजना से पार्टी आसानी से पहाड़ी युवाओं से जुड़ जाएगी। यह काफी हद तक कारगर साबित हो सकती है।2021 में रक्षा मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी थी कि सेना में उत्तराखंड की हिस्सेदारी पांच फीसदी है। तब 68,997 जवान सिर्फ सेना में थे। अनुमान है कि अब इनकी संख्या 72000 के पार हो गई है। अर्धसैनिक बलों में भी उत्तराखंड के युवाओं की अच्छी भागीदारी है। राज्य में करीब 1 लाख 70 हजार रिटायर्ड फौजी हैं। सैन्य विधवाओं की तादाद भी करीब 50 हजार है। यूपी, हरियाणा, पंजाब, बिहार और राजस्थान की तरह उत्तराखंडी युवाओं में भी सेना में भर्ती होने का क्रेज है।

पलायन का मुद्दा उत्तराखंड का दशकों पुराना मुद्दा है। पोस्टल इकोनॉमी वाले राज्य के लिए बुरी खबर यह रही है कि यहां से पलायन कभी रुका ही नहीं। ग्रामीण विकास मंत्रालय और पलायन निवारण आयोग ने हालिया रिपोर्ट में बताया कि 2018 से 2022 के बीच उत्तराखंड के गांवों से 3.3 लाख से अधिक लोगों ने देश के अन्य राज्यों में पलायन किया। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण रोजगार की कमी ही रही है। उत्तराखंड का पर्यटन उद्योग अपने स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं दे पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में सैनिक परिवारों को लुभाने के लिए वन रैंक, वन पेंशन का वादा किया था। पलायन रोकने के लिए पर्यटन को मंत्र बताकर नरेंद्र मोदी ने 9 साल पहले 55.3 प्रतिशत वोट हासिल किए थे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से जुड़े धमकी मामले में आंतकी पाश का लिंक

नागपुर (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर ऑफिस पर धमकी मामले में लश्कर कनेक्शन होने की बात सामने आ रही है। इसकी जानकारी महाराष्ट्र पुलिस की जांच में सामने आई है। पुलिस ने जांच में पाया कि जेल में बंद आतंकी अफसर पाशा रंगदारी मामले में मास्टर माइंड है, जो कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का आतंकी है। जांच में सामने आया है कि लश्कर आतंकी के साथी और सह-आरोपी जयेश कंथा उर्फ जयेश पुजारी ने ही धमकी भरी कॉल केंद्रीय मंत्री गडकरी के नागपुर ऑफिस में की थी। आतंकी अफसर पाशा कर्नाटक की बेलगावी जेल में बंद है। आतंकी से पूछताछ के लिए पाश को बेलगावी जेल से नागपुर लाया जाएगा, इसके लिए एक पुलिस टीम कर्नाटक भेजी गई है। बताया जा रहा हैं कि पुजारी के पास जेल में सेल फोन और सिम कार्ड थे। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद पाशा की सेल में भी इसी तरह की तलाशी ली जाएगी। पुजारी ने रंगदारी मांगने के लिए गडकरी के कार्यालय पर 14 जनवरी और 21 मार्च को फोन किया था। पुजारी को मार्च के अंत में नागपुर लाया गया था। फिलहाल नागपुर सेंट्रल जेल में बंद पुजारी पर दो मामलों में यूएपीए के तहत आरोप दर्ज है। नागपुर पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि धमकी वाले कॉल में पाशा की संलिप्तता थी। सूत्रों के मुताबिक, गडकरी के कार्यालय से मांगी गई फिरौती की रकम को लेकर पाशा और पुजारी के बीच मतभेद हो गया था। पाशा चाहता था कि पुजारी रंगदारी को लेकर ऊंची मांगे करे।

पत्रकार गण बरसठी हिंदुस्तान के पत्रकार विपिन दुबे के खिलाफ दर्ज फर्जी मुकदमे को लेकर सांसद से मुलाकात किए

संवाददाता राजेश मौर्या, जौनपुर।

मड़ियाहूं जौनपुर तहसील पत्रकार संघ मडय़ियाहूं के अध्यक्ष राधा कृष्ण शर्मा की अध्यक्षता में करीब 40 की संख्या में पत्रकार गण बरसठी हिंदुस्तान के पत्रकार विपिन दुबे के खिलाफ दर्ज फर्जी मुकदमे को लेकर सांसद से मुलाकात किए। सांसद ने थानाध्यक्ष बरसठी को टेलीफोन कर इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया और उन्होंने पत्रकार सदस्यों को आश्वस्त किया की किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न मेरे रहते हुए नहीं होगा। ज्यादातर मामलों में उन्होंने कहा की सुलह समझौते के आधार पर निपटाया जाएंगे। पत्रकारों ने कहा कि आपके नाम का दुरुपयोग किया जाता है इसको उन्होंने गंभीरता से लिया और कहा कि मेरा कोई प्रतिनिधि नहीं है। मैं सीधे लोगों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों से संवाद करता हूं और मैं अधिकारियों को निर्देश पुन: दूंगा कि मेरे नाम का कोई दुरुपयोग ना करें। कोई किसी भी जाति का धर्म का व्यक्ति हो मैं सबकी मदद बिना किसी भेदभाव के करता हूं। और पत्रकारों की तो कहना ही क्या है रात दिन मेहनत करके जनता की समस्याओं को उजागर करते रहते हैं और हमारे विकास कार्य को भी जन जन तक पहुंचाते रहते हैं। उनका उत्पीड़न कैसे कोई करेगा। इस मौके पर शीतला प्रसाद जायसवाल जय सिंह नसीम अहमद कौशल पांडे राजेश कुमार पांडे सोनू सिंह राहुल सिंह चंदन मिश्र बृजेश मिश्र प्रणवेश मिश्र कपिलदेवसिंह शुभम सिंह आनंद तिवारी गौरव मिश्र अरविंद दुबे चंदन केसरी शमीम अहमद अखिलेश तिवारी संतोष दुबे सहित अनेक पत्रकार गण मौजूद रहे

राजस्थान में दलित युवती से गैंगरेप...पहचान छिपाने चेहरा एसिड से जलाया

-भाजपा सांसद किरोडी लाल मीणा धरने पर बैठें

करौली (एजेंसी)। राजस्थान के करौली में दलित युवती के साथ हैवानियत की हद पार करने वाली घटना सामने आई है। वारदात नादौती उपखंड की है। यहां एक दलित युवती के साथ गैंगरेप हुआ। इसके बाद उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। गैंगरेप करने वाले आरोपियों ने दलित युवती की पहचान छिपाने के लिए चेहरे को एसिड डालकर जला दिया। इसके बाद दरिंदों ने युवती को कुएं में फेंक दिया। दिल दहला देने वाली वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

यह वारदात टोडाभीम में मोहनपुरा की है। यहां गुरुवार को एक कुएं में लड़की का शव मिला। शव की पहचान छिपाने के लिए एसिड डालकर जलाया हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र के लोगों में रोष फैल गया। ग्रामीण प्रदर्शन करने लगे। वहीं सांसद किरोडी लाल मीणा ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राजकीय अस्पताल पहुंच गए। वहां उन्होंने जमकर बवाल करते हुए प्रदर्शन किया। पीड़िता को इंसाफ दिलाने के लिए सांसद वहीं धरने पर बैठ गए।

सांसद मीणा ने घटना को लेकर पुलिस प्रशासन को जमकर आड़े हाथ लिया। साथ ही पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दलित युवती के साथ जघन्य हत्याकांड के बाद भी पुलिस ने मामले में बड़ी लापरवाही दिखाई है। पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को नहीं बुलाकर शव को बाहर निकलवा कर उप स्वास्थ्य केंद्र भिजवा दिया। इस दौरान सांसद ने धरना शुरू करते हुए चेतावनी दी कि जब तक युवती के जघन्य हत्याकांड के आरोपी गिरफ्तार नहीं होते हैं। तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने और परिजनों में से किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग उठाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीएम शिंदे, अन्य के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं में तेजी लाने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष द्वारा की जा रही देरी के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर नोटिस जारी किया। सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़ के नेतृत्?व में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और सीएम एकनाथ शिंदे से मामले में दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत, शिव सेना-यूबीटी नेता सुनील प्रभु की ओर से पेश हुए, जिन्होंने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि अध्यक्ष नार्वेकर, शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में अवैध रूप से जारी रखने की अनुमति देने के लिए अयोग्यता याचिका पर फैसले में देरी कर रहे हैं, जिनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं लंबित हैं।

मुख्यमंत्री शिंदे और उनके गुट के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में अध्यक्ष द्वारा की गई देरी के खिलाफ ठाकरे गुट ने 4 जुलाई को शीर्ष अदालत का रुख किया था। 11 मई को, सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने निर्देश दिया था कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को शिंदे सहित शिवसेना के 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर उचित समय में फैसला करना चाहिए, जिन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप था।

महाराष्ट्र राजनीतिक संकट पर अपने हालिया फैसले में, शीर्ष अदालत ने उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में बहाल करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उन्होंने सदन में शक्ति परीक्षण का सामना करने से पहले स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया था। पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से माना था कि तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का बहुमत साबित करने के लिए ठाकरे को बुलाना उचित नहीं था, लेकिन उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद खाली होने के बाद शिंदे को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना उचित था।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति भुइयां और न्यायमूर्ति भट्टी को शपथ दिलाई

-सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 32 हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एस.वेंकटनारायण भट्टी को शपथ दिलाई। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 32 हो गई। बुधवार को केंद्र ने इन नामों को मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा 12 जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा गया कि राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत न्यायमूर्ति भुइयां और न्यायमूर्ति भट्टी को नियुक्त किया है। कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बन गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के नामों की अनुशंसा करने के एक हफ्ते के भीतर केंद्र ने मंजूरी दे दी। दो जजों के शपथ ग्रहण के साथ शीर्ष अदालत में जजों की कुल संख्या बढ़कर सीजेआई सहित 32 हो गई है।

न्यायमूर्ति भुइयां को 2011 में गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वह अपने उच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और शीर्ष अदालत में पदोन्नति से पहले, वह 28 जून 2022 से तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति भुइयां टैक्स कानून में विशेषज्ञता रखते हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट में सेवा के दौरान उन्होंने टैक्स कानून सहित कई तरह के मामलों को निपटाया है।

सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति से पहले जस्टिस भट्टी केरल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। उन्हें 2013 में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और वह अपने मूल उच्च न्यायालय में सबसे वरिष्ठ हैं। न्यायमूर्ति भट्टी के पास कानून की विभिन्न शाखाओं का अनुभव है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके नाम की सिफारिश कर कहा, न्यायमूर्ति भट्टी की नियुक्ति उनके अर्जित ज्ञान और अनुभव के संदर्भ में मूल्यवर्धन प्रदान करेगी। उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है और उनमें ईमानदारी और क्षमता है।

ज्ञानवापी मस्जिद में कार्बन डेटिंग पर वाराणसी कोर्ट ने सुरक्षित रखा अपना आदेश

नई दिल्ली। वाराणसी की एक जिला अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वेक्षण के तहत कार्बन डेटिंग पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट 21 जुलाई को अपना फैसला सुनाएगी। इस साल मई में अदालत काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित पूरे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा सर्वेक्षण के लिए एक याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हुई थी। कोर्ट ने हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विष्णु शंकर जैन की याचिका स्वीकार कर ली थी। विष्णु जैन की याचिका पर विचार करने के बाद, अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद समिति को हिंदू पक्ष द्वारा दी गई दलीलों पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अब कार्बन डेटिंग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। कुछ दिन पहले, हिंदू याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया था, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर के परिसर में 'शिवलिंग' की वैज्ञानिक जांच करने का निर्देश दिया गया था।

टमाटर के बाद दालों के ऊंचे दाम से लोग हो रहे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दालों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसमें 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है और आगे भी बढ़ने की संभावना है। दालों की कीमत को कंट्रोल में रखने की सरकार की कोशिशों के बावजूद इसकी कीमतों में तेजी रुकने का नाम नहीं ले रही है। जानकारों का कहना है कि लोगों को इससे राहत देने के लिए सरकारी रियायतें और सब्सिडी जारी रहनी चाहिए।

जून माह में उपभोक्ता मूल्य की महंगाई बढ़कर 4.81 फीसदी हो गई है। इसमें टमाटर और अन्य सब्जियों के बाद दालें सबसे महंगी खाद्य वस्तु हो सकती हैं। मानसून के समय ही सब्जियों की ऊंची कीमतें सामान्य बात है, लेकिन इस साल दालों की कीमतें कुछ ज्यादा बढ़ी है। पिछले पांच महीनों में दालों की महंगाई दर लगभग दोगुनी हो गई है। मई में थोक मूल्य सूचकांक में दालों की मुद्रास्फीति 5.8 फीसदी और सीपीआई 6.6 फीसदी दिखाई गई। वहीं जून में दालों की महंगाई दर 10.58 फीसदी हो गई। इस तरह दालों की कीमतें गेहूं और चावल जैसे अनाजों की तुलना में काफी अधिक हैं, जिससे भारतीय थाली अत्यधिक महंगी हो गई हैं। इसी बीच चावल की कीमतें भी करीब 10 फीसदी बढ़ी हैं, वहीं गेहूं की कीमतों में भी 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

दालों में सबसे ज्यादा अरहर और उड़द दाल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अर्थशास्त्री के अनुसार, राष्ट्रीय दलहन मिशन में आयात बढ़ाने से लेकर दालों के लिए एमएसपी बढ़ाने तक, सरकार दालों की कीमतों को नियंत्रित करने की अपनी नीति में सक्रिय रही है। मोदी सरकार ने वादा किया है कि वे सभी दालें खरीदेंगी लेकिन हस्तक्षेप जारी रखना होगा। दालें कई भारतीयों के लिए प्रोटीन का स्रोत है, जो कई राज्यों द्वारा चलाई जा रही मध्याह्न भोजन योजनाओं का भी हिस्सा है। दालें आम तौर पर पौष्टिक भोजन के रूप में देखी जाने वाली चीजों में शामिल हैं।

देश में मुख्य रूप से दालों की खेती पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तटीय और पूर्वी कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में होती हैं। हालांकि, भारत म्यांमार और कनाडा जैसे देशों से बड़ी मात्रा में दालों का आयात करता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, दालों के लिए भारत की आयात निर्भरता को कम करने के लिए कई उपाय किए गए हैं। कृषि और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में दालों का उत्पादन वर्ष 2010-2016 के दौरान

16-19 मिलियन मीट्रिक टन की सीमा में था, जो 2021-22 तक लगभग 48 फीसदी बढ़कर 25-27 एमएमटी हो गया है।

सीएम ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

अचानक मेरठ पहुंचे, हाथ जोड़कर किया अभिवादन, योगी-योगी के नारे गूंजे

मेरठ। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम काफिले के साथ अचानक मेरठ पहुंच गए। मोदीनगर में योगी ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। इस दौरान योगी-योगी के नारे लगने लगे। सीएम ने मुस्कराते हुए हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। करीब 8-10 मिनट बाद सीएम रवाना हो गए। इससे पहले हेलिकॉप्टर से प्रशासन, पुलिस के वरिष्ठ अफसर आसमान से कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए। मेरठ से बरनावा तक की सड़क फूलों से लद गई। यूपी में योगी सरकार आने के बाद लगातार हर साल कांवड़ यात्रा में कांवड़ियों पर फूल बरसाए जाते हैं। कुछ दिन पहले वाराणसी में भी अफसरों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की थी। मेरठ पुलिस लाइन से कमिश्नर, आईजी, डीएम और एसएसपी हेलिकॉप्टर से जाएंगे। जिले और जनपद की सीमाओं में कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण किया गया। इसके बाद पुष्पवर्षा हुई। डीएम और एसएसपी मेरठ जिले में कांवड़ियों का स्वागत हेलिकॉप्टर से फूल बरसा कर किया। पुलिस लाइन, बेगमपुल, सिवाया टोल, मटौर, सकौती, दादरी, खतौली, सलावा, नानू पुल, पूठखास पुल, जानी पुल, निवाड़ी, मोहिद्दीनपुर, परतापुर इंटरचेज, सुभारती,क कंकरखेड़ा फ्लाईओवर होते हुए औघड़नाथ मंदिर पर हेलिकॉप्टर फूल बरसाते हुए गया। पहले मेरठ में बेगमपुल, सिवाया टोल, दादरी, सलावा, नानू पुल, पूठखास पुल, जानी पुल, कंकरखेड़ा फ्लाईओवर और औघड़नाथ मंदिर में फूल बरसाएंगे। इसके बाद बागपत में पुलिस लाइन से रेलवे क्रासिंग, बरनावा पुलिस चौकी, गल्हैता गांव ओर पुरामहादेव मंदिर में पुष्पवर्षा हुई। मेरठ में शिवरात्रि के लिए औघड़नाथ मंदिर को सजाया गया है। वेस्ट यूपी का यह बड़ा मंदिर है, हरिद्वार से जल लेकर निकले कांवड़िए अब औघड़नाथ मंदिर पहुंच रहे हैं, यहां कल शिवरात्रि पर भोले नाथ का कांवड़िए जलाभिषेक करेंगे। जलाभिषेक के लिए मंदिर समिति ने यहां तमाम व्यवस्थाएं की हैं। मंदिर में सीसीटीवी लगाए गए हैं। साथ ही जलाभिषेक की व्यवस्था की गई है। मंदिर में कंट्रोलरूम भी बनाया गया है।

वाहन चोर गैंग के 8 आरोपी अरेस्ट: कई जिलों में चोरी की घटनाओं को देते थे अंजाम, चोरी के 8 वाहन भी बरामद

अलीगढ़ । सासनीगेट पुलिस ने शुक्रवार को अंतर जनपदीय वाहन चोर गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के 8 सदस्यों को गिरफतार कर लिया है और उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए 8 वाहन भी बरामद किए हैं। आरोपियों ने यह वाहन अलीगढ़ व आसपास के जिलों से चोरी किए थे और इसका इस्तेमाल कर रहे थे। इसके बाद यह मौका देखते ही इसे बेंचने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपियों के ऊपर छापेमार कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सासनीगेट पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत आरोपियों पर कार्रवाई की है और अंडला के पास से इन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6 मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं, जिसमें 5 स्पलैंडर और 1 पैशन प्रो है। जबकि 2 एक्टिवा स्कूटर बरामद किया गया है। आरोपियों ने बताया कि वह अलीगढ़ के साथ मथुरा, बुलंदशहर, हाथरस से वाहनों की चोरी करते थे और फिर इसे दूसरे जनपद में बेंच देते थे। जब तक इसकी बिक्री नहीं होती थी, वह खुद ही इन वाहनों को चलाते थे। वह किसी के पकड़ में न आए, इसके लिए वह वाहनों के नंबर बदल देते थे। जिससे कि कोई उन्हें पकड़ न सके। गैंग के सभी आरोपी अलीगढ़ के ही रहने वाले हैं। इसमें पुलिस ने अमित पुत्र नोबत सिंह निवासी जरारा थाना खैर, आकाश पुत्र जसवन्त सिंह निवासी गांव जरारा, ललित पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी गांव जरारा, लवकुश उर्फ लवली पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी जरारा, चन्द्रशेखर उर्फ चन्दू पुत्र जसवन्त सिंह निवासी जरारा, किशन पुत्र राजपाल निवासी अरनी थाना बरला, प्रदीप पुत्र जयप्रकाश निवासी अरनी और हेमन्त कुमार पुत्र नरोत्तम सिंह निवासी विहारी नगर थाना सासनी गेट को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे इनके आगे के नेटवर्क का भी पता चल सके। जिसके बाद इनसे वाहन खरीदने वालों पर भी कार्रवाई की जा सके। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में एसआई सतबंत सिंह, एसआई जगदीश कुमार, एसआई संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल शशि कपूर, कांस्टेबल कोमल सिंह, महेश चंद्र, विपिन कुमार, आशू कुमार और प्रशांत कुमार शामिल रहे।

आगरा में दो मकानों में चोरी: मेन गेट की कुंडी तोड़कर घर में घुसे चोर

आगरा । ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस वन के बी ब्लॉक स्थित दो मकानों में गुरुवार रात को अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एक मकान के मुख्य द्वार की कुंडी तोड़कर चोर घर के अंदर घुसे और ऊपर स्थित 2 कमरों तक पहुंचे। दोनों कमरों की कुंडी को भी चोरों ने तोड़ दिया और अंदर रखा हुआ सारा माल लेकर फरार हो गए। सुबह जब मकान में रहने वाले शुभम का चचेरा भाई राहुल करीब 9 बजे घर पहुंचा, तब उसे इस चोरी के बारे में जानकारी हुई। इसके बाद उसने अपने परिजनों और पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। ट्रांस यमुना फेस वन में बी 452 के रहने वाले शुभम की पत्नी मंजू गर्भवती थी और उसकी डिलीवरी होनी थी। ऐसे में मकान में रहने वाले शुभम की दादी खिल्लो देवी, शुभम और उसकी पत्नी तीनों लोग गुरुवार शाम को घर में ताला लगाकर लेडी लॉयल पहुंच गए थे। घर में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था। जिसका फायदा उठाकर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। शुक्रवार सुबह 9 बजे शिवम का चचेरा भाई राहुल घर आया तो उसने मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी हुई देखी। ऐसे में उसने आसपास के लोगों को जानकारी दी। दो-तीन लोगों के साथ वह ऊपर गया तो उपस्थित दोनों कमरों की कुंडी भी टूटी हुई थी। दरवाजे खुले हुए थे और कमरे में सामान बिखरा हुआ था।

नगरपालिका अध्यक्ष ने महा सफाई अभियान को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता

धामपुर। नगरपालिका धामपुर में चलने वाले नगर सफाई महाअभियान को नगर पालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 जुलाई से 21जुलाई 2023 तक विशेष नगर महा सफाई अभियान चल रहा है। सफाई अभियान के अन्तर्गत बड़ी मंडी धामपुर से सफाई अभियान का शुभारंभ किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के आह्वान पर 14 से 21 जुलाई तक विशेष नगर महा सफाई अभियान चल रहा है। जिसको देखते हुए धामपुर नगर में सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है। और नगरपालिका धामपुर मे सफाई कराकर धामपुर नगर को साफ स्वच्छ करने का हमारा लक्ष्य है

।और धामपुर नगर वासियों से मेरा निवेदन है कि अपने घर का कचरा बाहर ना फेंके कचरे की गाड़ी आने पर ही कचरा गाड़ी में डाले। ओर धामपुर नगर को साफ स्वस्थ रखने में नगरपालिका धामपुर का सहयोग करें । महासफाई अभियान में ईओ सुभाष कुमार ,पुष्पेंद्र सक्सेना, ऋषभ जैन, निखिल जैन ,संजय अग्रवाल, अजय अग्रवाल, ओमजीत पवार , आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर बाढ़ पीड़ितों से मिले सीएम योगी

● अफसरों के साथ स्थितियों का जायजा लिया, राहत शिविर में बांटी खाद्य सामग्री

संवाददाता

सहारनपुर। सीएम योगी शुक्रवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया। चिलकाना में पीड़ितों को बाढ़ राहत सामग्री वितरित की। जैन कालेज में बने बाढ़ राहत शिविर में भी पीड़ितों से मुलाकात की। इसके बाद पुलिस लाइन में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'सहारनपुर में मूसलाधार बारिश के कारण हिंडन, पांव धोई और ढमोला नदी के कारण बाढ़ और जलभराव हो गया। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के मिलकर लगाए गए राहत शिविरों का निरीक्षण किया है। अतिवृष्टि के कारण उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और वेस्ट यूपी के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई।' उन्होंने कहा, 'हथिनी कुंड बैराज से छोड़ गए पानी से यमुना नदी बाढ़ की स्थित आई है। लेकिन अब राहत है। सहारनपुर में कुल 118 गांव, शहर के 28 मोहल्ले जलभराव की चपेट में आए थे। इसमें लगभग 2.75 लोग प्रभावित

हुए। 13 हजार हेक्टेयर भूमि कृषि की बाढ़ की चपेट में आई है। सात जन हानि और तीन पशु हानि हुई है। कुछ ज्यादा और कुछ आंशिक रूप से प्रभावित हुए है। राहत सामग्री के पैकेट बांटे गए है। जिनमें 10-10 किलो आटा और चावल, दाल, मसाले और 10 किलो आलू बांटे गए है। जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए है, उनको मुआवजे के साथ ही बरसाती देने के निर्देश दिए गए है। जिन लोगों की जान गई है। उनके परिवारों को 4-4 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। राहत शिविर में रहने वाले लोगों को खाने-पीने के निर्देश दिए गए है। यदि बिच्छू, सांप और अन्य कीड़े काटे जाने पर एंटी ऐनम वैक्सीन और रेबीज के इंजेक्शन लगाए जाने की व्यवस्था की जाएगी। सावन के पवित्र मास में कांवड़ भी जोरों पर है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चार करोड़ कांवड़िये जल हरिद्वार से उठाकर 17 जुलाई को जलाभिषेक करेंगे। उनकी सुरक्षा के लिए व्यवस्था की गई है। कांवड़ियों की हर प्रकार की सुविधा का ध्यान किया जा रहा है। कल पुष्प वर्षा भी कांवड़ियों पर कराई जाएगी।' सीएम अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत राजकीय विमान से ठीक 1.17 बजे वायु सेना स्टेशन सरसावा में पहुंचे। वहां से हेलीकाप्टर से चिलकाना पहुंचे। सुल्तानपुर चिलकाना के मंडी परिसर में मौजूद बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि वितरित की। मंडी परिसर में करीब 10 मिनट तक रुके। इस दौरान उन्होंने बच्चों को चाकलेट भी दिए। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजकीय हेलिकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित इलाके का हवाई निरीक्षण किया। बाढ़ इलाके का भ्रमण करने के बाद सीएम सहारनपुर स्थित पुलिस लाइन पहुंचे। कार में बैठकर लंबे काफिले के साथ जैन कालेज में बनाए गए राहत शिविर में पहुंचे। जहां सहारनपुर महानगर में आई बाढ़ से प्रभावित 117 लोग ठहराए गए हैं। जल शक्ति एवं बाढ़ मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद कैराना प्रदीप चौधरी, नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी, नगर विधायक राजीव गुंबर, महापौर डज्ञ. अजय कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. महेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष राकेश जैन आदि साथ रहे। प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि जिले में बाढ़ से 118 गांव और शहर की 28 कॉलोनी प्रभावित हुए हैं। 13 हजार हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई है। बाढ़ से 2.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सात लोगों की जान गई है। जिनकी जान गई हैं, उनके परिजनों को चार चार लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, जिले के पौने तीन लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जिन्हें राशन किट बांटी जा रही हैं। सहारनपुर में 8 जुलाई से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश से यमुना समेत तमाम नदियों में उफान है। जिले में करीब 40 कॉलोनियां भारी जल भराव के चलते बाढ़ की चपेट में हैं। लोगों को घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। सीएम दोपहर 1.15 बजे वायुयान द्वारा सरसावा एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से हेलिकॉप्टर द्वारा जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया। सहारनपुर पुलिस लाइन में 1.30 बजे आए। 1.40 बजे उन्होंने जेवी जैन डिग्री कॉलेज में बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। आवास विकास के बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं भाजपा के कुछ पदाधिकारी भी पुलिस लाइन में मौजूद हैं, जिसमें देवबंद से विधायक एवं मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, विधायक कीरत सिंह शामिल है।

संक्षिप्त डायरी

मुख्यमंत्री ने आकाशीय बिजली की घटनाओं में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गाजीपुर की तहसील कासिमाबाद में आकाशीय बिजली की घटनाओं में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को नियमानुसार अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने आकाशीय बिजली गिरने से घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के भी निर्देश दिए हैं। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार प्रदेश के जनपद गाजीपुर की तहसील कासिमाबाद के ग्राम भदेसर एवं ग्राम चक दरिया में आकाशीय बिजली गिरने से 01-01 तथा ग्राम माटा में 02 महिलाओं की मृत्यु हो गयी। ग्राम पहाड़पुर तोफिर में आकाशीय बिजली की घटना में 01 व्यक्ति घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी। ग्राम माटा में हुई आकाशीय बिजली की घटना में 02 व्यक्ति घायल भी हुए हैं।

जूते का सोल बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग: शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, लाखों का माल और मशीन जलकर राख

नोएडा। थाना फेस 1 सी-90 सेक्टर-8 में की एक फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री जूतों के लेमिनेशन फॉर्म की है। यहां जूतों के सोल भी बनते है। आग फैक्ट्री के फर्स्ट फ्लोर पर लगी। आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। मौके पर एक के बाद 6 दमकल की गाड़ियां पहुंची जिन्होंने आग पर काबू पाया। इस दौरान जन हानि नहीं हुई। फर्स्ट फ्लोर पर जूतों साले बनाने वाला चमड़ा और उसके रोल रखे थे। यहां सोल की कटिंग की जाती थी। इसलिए केमिकल और चमड़ा दोनों ही फर्स्ट फ्लोर पर थे। यहां शॉट सर्किट हुआ और तेजी से आग फैल गई। इस दौरान कंपनी के गार्ड ने पुलिस और दमकल विभाग को जानकारी दी। फैक्ट्री में सभी लोग ग्राउंड फ्लोर पर थे। इसलिए वो बाहर आ गए। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान लाखों का मॉल और मशीनरी जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि फैक्ट्री के अंदर कोई फंसा नहीं अन्यथा जन हानि हो सकती थी। आग को बुझाने में करीब दो घंटे का समय लग गया। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि चमड़ा होने की वजह से काला धुंआ बहुत ज्यादा था। ये सुलग भी रहा था। इसलिए आग बुझाने में थोड़ा समय लगा। आग तेज थी इसलिए सावधानी के तौर पर आस पास की कंपनी के लोगों को भी बाहर कर दिया गया था।

इंडो-नेपाल सीमा पर करोड़ों की ज्वेलरी के साथ 3 गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। हैदराबाद से पांच करोड़ की चोरी कर भागे तीन नेपाली नागरिकों को एसएसबी ने विदेशी मुद्रा सहित लाखों रुपए कैश और ज्वैलरी के साथ पकड़कर हैदराबाद पुलिस के सुपुर्द किया है। हैदराबाद में कई सालों से वॉचमैन की नौकरी कर रहे नेपाली नागरिकों ने अपने ही मालिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। हैदराबाद में लाखों रुपए और ज्वेलरी चुराकर भाग निकले। पीड़ित विजय कुमार गोयल की तहरीर पर एफआईआर हैदराबाद थाने में दर्ज कराई गई थी। उसके बाद हैदराबाद पुलिस इंडो नेपाल सीमा पर बरसोला कला 70वीं वाहिनी के साथ मिलकर बॉर्डर पर दो दिन से चेकिंग कर रहे थे। नेपाली महिला सहित तीन नेपाली नागरिक तिकुनिया से टैक्सी करके खखरौला बॉर्डर पार करना चाह रहे थे। इन्दरनगर के पास बरसोला कला की 70वीं बटालियन एसएसबी चौकी के जवानों ने तिकुनिया के रास्ते पर आते इनोवा कार देखी। इसका नम्बर UP 16 AE 0486 था। इसमें बैठे तीन नेपालियों को जाते देखा तो पहले से ही मौजूद बरसोला चौकी एसएसबी ने चारों तरफ से घेर लिया। तलाशी लेने पर टैक्सी ड्राइवर ने अपना नाम विनोद बताया। वहीं एसएसबी को 3567945 रुपए और 68 लाख रुपए की ज्वैलरी, 123 ग्राम डायमंड सोना मिक्स और विदेशी मुद्रा भी बरामद किया है। इसमें 120 यूरो, 10 डॉलर, 1000 दिरहम भी मिले हैं।

संपादकीय

जीवन की सौगातें

हम अपने जीवन में सदैव अच्छा बनने का प्रयत्न करते रहे। हमारे स्वभाव में जन्दिादिली हो । जीवन में हमारे हर हाव - भाव में खुशियोंकी प्याली हो । हमारा सबके साथ हो सदैव सही से सद्व्यवहार ,नैतिकता पूर्ण आचार जिससे हम सबमें भरोसे का दीप जला सके औरजन-जन में खुशियों के प्रदीप बाँट सके । हमे जो मानव जीवन अनमोल मिला है उसके लिये हम हर रोज कृतज्ञता ज्ञापित करें । सेवा-सहयोग का अनुदान कर शांति हर ओर स्थापित करें । कभी न हो हमारे द्वारा ऐसा कृत्य कि बाद में हमकोपश्चाताप करना पड़े। सृजनात्मक चिंतन,सृजनात्मक कृत्तियों से हम वसुन्धरा को भरें । हर क्षण को हम जागरूक बनाते रहे । इस तरहकेवल अच्छे बनने का सही से प्रयत्न करते रहने से हमको पता ही नहीं चलेगा कि अच्छा बनते-बनते हम कब महान बन गए। जिस इंसानने जीवन में संघर्ष करके उचित मुक़ाम हासिल किया हो उसकी खुशियाँ भी अलग होती है।आप एक नज़र उठा कर देखिये कि संसार मेंजितने भी वैज्ञानिक हुए हैं या बड़े उद्योगपति हुए हैं या बड़े कलाकार और चाहे राजनेता आदि उन सभी ने अपने जीवन में अथाह संघर्षकिये तब जाके उनको अपने जीवन में ऊँचाइयाँ हासिल हो पायी।बिना संघर्ष के जीवन एक विराट रेगिस्तान की तरह होता है।उसमेंपेड़-पौधे तो होंगे पर ज़मीन सुनसान और वीरान जैसी होगी।ठीक इसके विपरीत जिसका जीवन संघर्षों के बाद निखरा है उनका जीवनएक बग़िया की तरह होगा।जंहा विभिन्न तरह के खुशबूदार फूल,ठंडी छाँव देने वाले पौधे और चलने के लिये मुलायम दूब। जिसने अपने जीवन में संघर्षों का सामना नहीं किया वो क्या जाने जीवन का असली सुख क्या होता है।इसलिये जीवन में संघर्ष आये तोघबराना नहीं मनोबल मज़बूत करके अपने लक्ष्य को सामने रखकर संघर्ष करो।जो संघर्ष करेगा तो इतिहास भी वो ही रचेगा।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

शिवरात्रि : कांवड़ के गंगाजल से शिवजलाभिषेक का महान पर्व !

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

श्रावण कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की का आरंभ 15 जुलाई को रात 8 बजकर 32 पर हो रहा है। जिसका 16 जुलाई को चतुर्दशी तिथि पर समापन रात को 10 बजकर 7 मिनट पर होगा। भगवान शिव की पूजा निशीथ काल में ही की जाती है। इसलिए मासिक शिवरात्रि का व्रत 15 जुलाई को है। शिव उपासना चार प्रहर में करने का विधान है। इसलिए इस शिवरात्रि के दिन प्रथम प्रहर की पूजा शाम 07 बजकर 20 मिनट से शुरू होकर रात 09 बजकर 53 मिनट तक की जाएगी। इसके बाद द्वितीय प्रहर की पूजा रात को 09 बजकर 53 मिनट से आरंभ होकर मध्यरात्रि 26 मिनट तक की जाएगी। वहीं तृतीय प्रहर की पूजा- अर्चना रात को 12 बजकर 26 मिनट से सुबह 03 बजे तक की जाएगी। इसके बाद 03 बजे से शुरू होकर सुबह 05 बजकर 32 मिनट तक चतुर्थ प्रहर की पूजा की जाएगी। जबकि मासिक शिवरात्रि का व्रत पारण 16 जुलाई को होगा।इस दिन सुबह जल्दी स्नान करके, साफ सुथरे वस्त्र पहनकर पूजा घर में शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग और नालियल अर्पित करें। साथ ही भगवान शिव का रुद्राभिषेक करें। शिव चालीसा और शिव स्तुति करें। दूध से बनी चीजों का भोग लगाएं।आज के दिन ही भोलेनाथ शिव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे। इसलिए यह दिन भोलेनाथ के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। जो लोग इस दिन व्रत रखते हैं, उन पर भगवान शिव की हमेशा कृपा बनी रहती है। वहीं इस दिन जो व्यक्ति सच्चे मन से व्रत रखकर शिवलिंग का शहद, गंगाजल, दूध और दही से अभिषेक करता है, उनके सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं।वस्तुत: एक परमपिता के रूप में, वही ईश्वर है और वही शिव है। एक मात्र शिव ही ब्रहमा,विष्णु और शकंर के भी रचियता है। शिव जीवन मरण से परे है। ज्योति बिन्दू स्वरूप है। वास्तव में शिव एक ऐसा शब्द है जिसके उच्चारण मात्र से परमात्मा की सुखद अनुभूति होने लगती है। शिव को कल्याणकारी तो सभी मानते है, साथ ही शिव ही सत्य है शिव ही सुन्दर है, यह भी सभी स्वीकारते है। परन्तु यदि मनुष्य को शिव का बोध हो जाए तो उसे जीवन मुक्ति का लक्ष्य प्राप्त हो सकता है। गीता में कहा गया है कि जब जब धर्म के मार्ग से लोग विचलित हो जातेहै, समाजमेंअनाचार,पापाचार ,अत्याचार, शोषण, क्रोध, वैमनस्य, आलस्य, लोभ, अहंकार,का मुकता,माया मोह बढ जाता है, तब तब ही परमात्मा को स्वयं आकर राह भटके लोगो को सन्मार्ग पर लाने की प्रेरणा का कार्य करना पडता है। ऐसा हर पाचं हजार साल में पुनरावृत होता है। पहले सतयुग,फिर त्रेता,फिर द्वापर,फिर कलियुग और फिर संगम युग तक की यात्रा इन पांच हजार वर्षो में होती है। हांलाकि सतयुग में हर कोई पवित्र,सस्ंकारवान,चिन्तामुक्त और सुखमय होता है।परन्तु जैसे जैसे सतयुग से त्रेता और त्रेता से द्वापर तथा द्वापर से कलियुग तक का कालचक्र घूमता है। वैसे वैसे व्यक्ति रूप में मौजूद आत्मायें भी शान्त,पवित्र और सुखमय से अशान्त,दुषित और दुखमय हो जाती है। कलियुग को तो कहा ही गया है दुखों का काल। लेकिन जब कलियुग के अन्त में संगम युग से सतयुग के आगमन की घडी आती है तो यही वह समय जब परमात्मा स्वंय सतयुग की दुनिया बनाने के लिए आत्माओं को पवित्र और पावनता का स्वंय ज्ञान देते है और आत्माओं को सतयुग के काबिल बनाते है। समस्त देवी देवताओ में मात्र शिव ही ऐसे देव है जो देव के देव यानि महादेव है जिन्हे त्रिकालदर्शी भी कहा जाता है। परमात्मा शिव ही निराकारी और ज्योति स्वरूप है जिसे ज्योति बिन्दू रूप में स्वीकारा गया है। परमात्मा सर्व आत्माओं से न्यारा और प्यारा है जो देह से परे है जिसका जन्म मरण नही होता और जो परमधाम का वासी है और जो समस्त संसार का पोषक है। दुनियाभर में ज्योतिर्लिगं के रूप में परमात्मा शिव की पूजा अर्चना और साधना की जाती है। शिवलिंग को ही ज्योतिर्लिंग के रूप में परमात्मा का स्मृति स्वरूप माना गया है। संसार में सबसे पहले सोमनाथ के मन्दिर में हीरे कोहिनूर से बने शिवलिंग की स्थापना की गई थी।विभिन्न धर्मो में परमात्मा को इसी आकार रूप में मान्यता दी गई।तभी तो विश्व में न सिर्फ 12 ज्योर्तिलिगं परमात्मा के स्मृति स्वरूप में प्रसिद्ध है बल्कि हर शिवालयों में शिवलिगं प्रतिष्ठित होकर परमात्मा का भावपूर्ण स्मरण करा रहे है। वही ज्योतिरूप में धार्मिक स्थलों पर ज्योति अर्थात दीपक प्रज्जवलित कर परमात्मा के ज्योति स्वरूप की साधना की जाती है। शिव परमात्मा ऐसी परम शक्ति है,जिनसे देवताओं ने भी शक्ति प्राप्त की है। भारत के साथसाथमिश्र, यूनान,थाईलैण्ड, जापान, अमेरिका, जर्मनी, जैसे दुनियाभर के अनेक देशों ने परमात्मा शिव के अस्तित्व को स्वीकारा है। धार्मिक चित्रों में स्वंय श्रीराम,श्रीकृष्ण और शंकर भी भगवान शिव की आराधना में ध्यान मग्न दिखाये गए है। जैसा कि पुराणों और धार्मिक ग्रन्थों में भी उल्लेख मिलता है। श्री राम ने जहां रामेश्वरम में शिव की पूजा की तो श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध से पूर्व शिव स्तुति की थी। इसी तरह शंकर को भी भगवान शिव में ध्यान लगाते देखे जाने के चित्र प्रदशित किये गए है। दरअसल शिव और शंकर दोनो अलग अलग है शिव परमपिता परमात्मा है तो ब्रहमा,विष्णु और महेश यानि शंकर उनके देव तभी तो भगवान शिव को देव का देव महादेव अर्थात परमपिता परमात्मा स्वीकारा गया है। ज्योति बिन्दू रूपी शिव ही अल्लाह अर्थात नूर ए इलाही है।वही लाईट आफ गोड है और वही सतनाम है।यानि नाम अलग अलग परन्तु पूरी कायनात का मालिक एक ही परम शक्ति है जो शिव है।सिर्फ भारत के धार्मिक ग्रन्थों और पुराणों में ही शिव के रूप में परमात्मा का उल्लेख नही है बल्कि दुनियाभर के लोग और यहूदी,ईसाई,मुस्लमान भी अपने अपने अंदाज में परमात्मा को ओम,अल्लाह,ओमेन के रूप में स्वीकारते है। सृष्टि की रचना की

प्रक्रिया का चिंतन करे तो कहा जाता है कि सृष्टि के आरम्भ में ईश्वर की आत्मा पानी पर डोलती थी और आदिकाल में परमात्मा ने ही आदम व हव्वा को बनाया जिनके द्वारा स्वर्ग की रचना की गई। चाहे शिव पुराण हो या मनुस्मृति या फिर अन्य धार्मिक ग्रन्थ हर एक में परमात्मा के वजूद को तेजस्वी रूप माना गया है। जिज्ञासा होती है कि अगर परमात्मा है तो वह कहां है ,क्या किसी ने परमात्मा से साक्षात किया है या फिर किसी को परमात्मा की कोई अनूठी अनुभूति हुई है। साथ ही यह भी सवाल उठता है कि आत्माये शरीर धारण करने से पहले कहा रहती है और शरीर छोडने पर कहा चली जाती है।इन सवालो का जवाब भी सहज ही उपलब्ध है। सृष्टि चक्र में तीन लोक होते है पहला स्थूल वतन,दूसरा सूक्ष्म वतन और तीसरा मूल वतन अर्थात परमधाम। स्थूल वतन जिसमें हम निवास करते है पांच तत्वों से मिलकर बना है। जिसमें आकाश पृथ्वी,वायु,अग्नि औरजल शामिल है।इसी स्थूल वतन को कर्म क्षेत्र भी कहा गया है।जहां जीवन मरण है और अपने अपने कर्म के अनुसार जीव फल भोगता है। इसके बाद सूक्ष्म वतन सूर्य, चांद और तारों के पार है जिसे ब्रहमपुरी,विष्णुपुरी और शंकरपुरी भी कहा जाता है। सूक्ष्म वतन के बाद मूल वतन है जिसे परमधाम कहा जाता है। यही वह स्थान है जहां परमात्मा निवास करते है। यह िवह धाम है जहां सर्व आत्माओ का मूल धाम है। यानि आत्माओं का आवागमन इसी धाम से स्थूल लोक के लिए होता है। आत्माओं का जन्म होता है और परमात्मा का अवतरण होता है। यही आत्मा और परमात्मा में मुख्य अन्तर है। सबसे बडा अन्तर यह भी है कि आत्मा देह धारण करती है जबकि परमात्मा देह से परे है।परमात्मा निराकार है और परमात्मा ज्योर्ति बिन्दू रूप में सम्पूर्ण आत्माओं को प्रकाशमान करता है ,जिससे आत्मा पतित से पावन होकर सर्व सुख प्राप्त करती है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं भगवान शिव

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(सावन शिवरात्रि (15 जुलाई) पर विशेष)

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्राय: जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 जुलाई शनिवार को रात 8.32 बजे से शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 16 जुलाई की रात 10.08 बजे होगा। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा

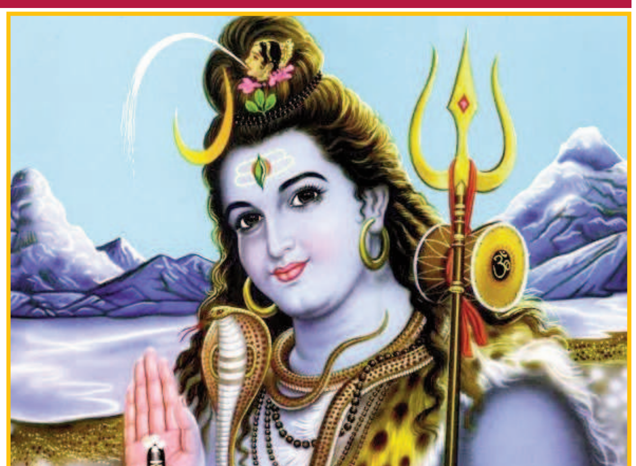

ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

बढ़ते साइबर अपराध, सरकार और साइबर क्राइम विभाग की चुप्पी

बच्चे से लेकर बड़े तक सभी इंटरनेट का उपयोग करने विवश हैं। इंटरनेट के माध्यम से वेबसाइट और ऐप के माध्यम से बड़े पैमाने पर अपराध हो रहे हैं। अपराधों को रोकने के लिए सरकारी स्तर पर कोई प्रयास नही किए जा रहे हैं। नाही देश का साइबर क्राइम विभाग, अपराधियों को नियंत्रित करने मे कोई प्रभावी कार्यवाही कर पा रहा है। जिसके कारण युवा-युवती, माता-पिता भी सामूहिक आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहे हैं। पुलिस अपराधों की रिपोर्ट दर्ज करके,अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड लेती है। सरकार ने भारतीय नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। पिछले एक दशक में बड़े पैमाने पर देश में आत्म हत्या करने वालों की संख्या बढ़ रही है। पहले आत्महत्या कोई एक व्यक्ति अपने निजी कारणों से करता था। लेकिन अब पूरा परिवार सामूहिक आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहा है। इसके बाद भी क्राइम विभाग, पुलिस, साइबर क्राइम, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की चुप्पी हैरान करने वाली है। जब सरकार एक ओर कानून बनाकर ऑनलाइन लेनदेन, ऑनलाइन पढ़ाई, ऑनलाइन परीक्षाएं,ऑनलाइन ठेके, ऑनलाइन रिटर्न भरने, और ऑनलाइन कारोबार करने की बाध्यता नागरिकों पर डालकर इंटरनेट से संचालित होने वाले पोर्टल और ऐप का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है। ऐसी स्थिति में सरकार की भी जिम्मेदारी होती है,कि वह अपने नागरिकों को धोखाधड़ी और अपराधों से बचाने के लिए सजग हो। नागरिकों को कानूनी और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करे। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन ठगी बड़े पैमाने पर देशभर में हो रही है। लाखों मामले बड़े पैमाने पर उजागर हो चुके हैं। सामान्य आदमियों को लूट का शिकार बनाया जा रहा है। इंटरनेट पर ऐसे बहुत से ऐप हैं, जहां पर अश्लीलताके नाम पर धोखाधड़ी की जा रही है। धोखाधड़ी कर लोगों को सरेआम ठगा जा रहा है। इसी तरह से लोन के बहुत सारे ऐप चल रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई के इस दौर में बिना गारंटी के लोन के चक्कर में फंसकर पूरा परिवार आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहा है। सरकार और उसके अधिकारी सत्ता और अधिकारों के मद में मस्त होकर, आम जनता को लुटने-पिटने और मरने के लिए छोड़ दे रहे हैं। रोजाना आत्महत्या के मामले अखबारों में प्रकाशित होते हैं। एक ही जिले में कई आत्महत्या के मामले रोजाना सामने आते हैं। सामाजिक और धार्मिक संगठनों में कार्य करने वाले समाजसेवी भी इतने असंवेदनशील हो गए हैं,कि उन्हें इन सब से कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है। राजनीतिक दलों और धार्मिक गुरु जो आमजनों का नेतृत्व करते हैं। इतने बड़े पैमाने पर हो रही आत्महत्या के बाद भी, वह चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। कहा जाता है,मानव जीवन बहुत मुश्किल से मिलता है। भारत जैसे सनातन धर्म के इस देश में यही मानव जीवन लोग आत्महत्या करके समाप्त कर रहे हैं। भारत जैसे देश में इसको लेकर कोई भी क्रिया और प्रतिक्रिया नहीं होना, सबको आश्चर्यचकित कर रहा है। भोपाल में हाल ही मे एक परिवार के मुखिया को ऑनलाइन नौकरी के बहाने कर्ज के जाल में फंसाया गया। अपराधियों ने लाखों रुपए ब्याज एवं जुर्माने के रूप में वसूल लिए। मामूली लोन अमाउंट पर तरह-तरह के शुल्क और जुर्माना लगाकर लाखों रुपए की वसूली करने के बाद भी जब उसके पास पैसे देने के लिए नहीं बचे, तो उसके मोबाइल फोन पर जो कांटेक्ट लिस्ट थी। उस पर उसे बदनाम करने के लिए अश्लील फोटो और कर्ज वसूल करने के लिए उसके दोस्तों और रिश्तेदारों पर दबाव बनाकर सभी के बीच उसे बदनाम कर दिया। फलस्वरुप उस परिवार का जीवन जीना संभव नहीं रहा। उसने बच्चों और पत्नी के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। यह पहला प्रकरण नहीं है। इसके पहले भी हजारों इसी तरीके के मामले सामने आ चुके हैं। सरकार अपनी कमाई के लिए इस तरह के ऐप को बढ़ावा देती है। इनको रोकने के लिए सरकार ने कोई कानून नहीं बनाए। ऑनलाइन जुए के कई ऐप पिछले कई महीनों से चल रहे हैं। टीवी पर सेलिब्रिटी ऑनलाइन जुआ खेलने का प्रचार कर रहे हैं। लोग जुआ खेल रहे हैं। कर्ज में जा रहे हैं। चोरी लूट की वारदात बढ़ गई हैं। ऑनलाइन जुए में हारने के बाद पूरे परिवार को आर्थिक संकट में डालकर खुद आत्महत्या करने के लिए लोग विवश हो रहे हैं। वाह-री सरकार जुए के ऐप को बंद करने की बजाय उस पर 28 फ़ीसदी टैक्स लगाकर, सरकार कमाई करना चाहती है। जब सरकार का यह रुख हो। तब तो आम जनता का भगवान ही मालिक है। बिना तैयारी के सरकार ने सबको ऑनलाइन लेनदेन के लिए विवश कर दिया। बिना सुरक्षा दिए,ऑनलाइन कारोबार और सेवाओं के नाम पर लोगों को उनके हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया है। यह भारत में ही संभव हो सकता है।

कब और कैसे करें चने की खेती

भारत में चने की खेती मुयरूप से उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा बिहार में की जाती है। देश के कुल चना क्षेत्रफल का लगभग 90 प्रतिशत भाग तथा कुल उत्पादन का लगभग 92 प्रतिशत इन्ही प्रदेशों से प्राप्त होता है। भारत में चने की खेती 7.54 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है जिससे 7.62 क्विं./हे. के औसत मान से 5.75 मिलियन टन उपज प्राप्त होती है। भारत में सबसे अधिक चने का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वाला राज्य मध्यप्रदेश है तथा छत्तीसगढ़ प्रान्त के मैदानी जिलो में चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है।

जलवायु :

चना एक शुष्क एवं ठण्डे जलवायु की फसल है जिसे रबी मौसम में उगाया जाता हे। चने की खेती के लिए मध्यम वर्षा (60-90 से.मी. वार्षिक वर्षा) और सर्दी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त है। फसल में फूल आने के बाद वर्षा होना हानिकारक होता है, क्योंकि वर्षा के कारण फूल परागकण एक दूसरे से चिपक जाते जिससे बीज नही बनते है। इसकी खेती के लिए 24-300सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है। फसल के दाना बनते समय 30 सेल्सियस से कम या 300 सेल्सियस से अधिक तापक्रम हानिकारक रहता है।

भूमि की तैयारी :

चने की खेती दोमट भूमियों से मटियार भूमियों में सफलता पूर्वक किया जा सकता है। चने की खेती हल्की से भारी भूमियों में की जाती है। किन्तु अधिक जल धारण एवं उचित जल निकास वाली भूमियां सर्वोत्तम रहती हैं। छत्तीसगढ़ की डोरसा, कन्हार भूमि इसकी खेती हेतु उपयुक्त हैं। मृदा का पी.एच. मान 6-7.5 उपयुक्त रहता है।

अंसिचित अवस्था में मानसून शुरू होने से पूर्व गहरी जुताई करने से रबी के लिए भी नमी संरक्षण होता है। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल तथा 2 जुताई देशी हल से की जाती है। फिर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लिया जाता है। दीमक प्रभावित खेतों में क्लोरपायरीफास मिलाना चाहिए इससे कटुआ कीट पर भी नियंत्रण होता है।

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए अनुशंसित किस्मः

इंदिरा चना : यह किस्म फफूंदी उकठा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं कटुवा कीट के प्रति सहनशील है। यह बरानी एवं अर्धसिंचित अवस्था के लिए उपयुक्त है। इस किस्म की उत्पत्ति जे.जी. 74 × आई. सी.सी.एल.-83105 से हुई है एवं यह 110-115 दिनों में पककर 15-20 क्वि. हे. उपज देती है।

वैभवः इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह किस्म सेपूर्ण छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए उपयुक्त है। यह किस्म 110-115 दिन में पक जाती है। दाना बड़ा, झूर्रीदार तथा कत्थई रंग का होता है। दानों में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है। उतेरा के लिए भी उपयुक्त होता है। यह अधिक तापमान, सूखा और उकठा निरोधक किस्म है जो सामान्यतौर पर 15 क्विं. तथा देर से बोने पर 13 क्विं. प्रति हेक्टेयर उपज देता है।

ग्वालियरः इसका दाना हल्का, भूरे रंग का होता है। यह जाति 125 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार लगभग 12 से 15 क्विं./हे. होती है। इसके दाने में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

उज्जैनः 24 इसका दाना पीला भूरा होता है। यह लगभग 123 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी उपज लगभग 10 से 13 क्विं./हे. होती है। इसके दाने में प्रोटीन 19 प्रतिशत रहता है।

जे.जी. 315: यह किस्म 125 दिन में पककर तैयार हो जाती है। औसत उपज 12 से 15 क्विं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 15 ग्राम है एवं बीज का रंग बादामी तथा देर से बोने हेतु उपयुक्त किस्म है।

विजयः सर्वाधिक उपज देने वाली 90-105 दिन में तैयार होने वाली किस्म है । यह किस्म सिंचित व असिंचित क्षेत्रो के लिए उपयुक्त है। अधिक शाखायें व मध्यम ऊँचाई वाले पौधे होते है। उपज क्षमता 24-45 क्विं./हे. है।

काबूली चनाः छत्तीसगढ़ में इसकी खेती सिंचित दशा में ही की जा सकती है पर प्रति हेक्टेयर पौध सेंया का बराबर न होना प्रान्त में खेती को बढ़ावा नहीं दे रहा है।

एल 550 : यह 140 दिनों में पकने वाली किस्म है। इसकी उपज 10 से 13 क्विं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 24 ग्राम है।

सी -104 : यह किस्म 130-135 दिन में पककर तैयार हो जाती है। एवं औसतन 10 से 13 क्विं./हे. उपज देती है। इसके 100 दानों का वजन 25-30 ग्राम होता है।

बोवाई का समय असिंचित क्षेत्र में : सितेबर के आखिरी सप्ताह एवं अक्टूबर के तीसरी सप्ताह में करनी चाहिए। सिंचित क्षेत्र (पछेती) दिसेबर के तीसरे सप्ताह तक अवश्य सेपन्न कर लेना चाहिए।

बीज दर : समय पर बोवाई के लिए 75-80 कि.ग्रा./हे.
देशी चना (मोटा दाना) 80 -100 कि.ग्रा/हे.
काबुली चना (मोटा दाना) 100-120 कि.ग्रा./हे.

बीजोपचार : बीज को थायरम 2 ग्राम प्रति किलो बीज इसके अलावा उचित राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना आवश्यक है।

सिंचाई :

आमतौर पर चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है। चने की फसल के लिए कम जल की आवश्यकता होती है। चने में जल उपलब्धता के आधार पहली सिंचाई फूल आने के पूर्व अर्थात बोने के 45 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई दाना भरने की अवस्था पर अर्थात बोने के 75 दिन बाद करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक :

मूंग की 10 टन उपज देने वाली फसल भूमि से 40 कि.ग्रा. नत्रजन, 4-5 कि.ग्रा. स्फूर 10-12 कि.ग्रा. पोटाष ग्रहण कर लेती है। अतः

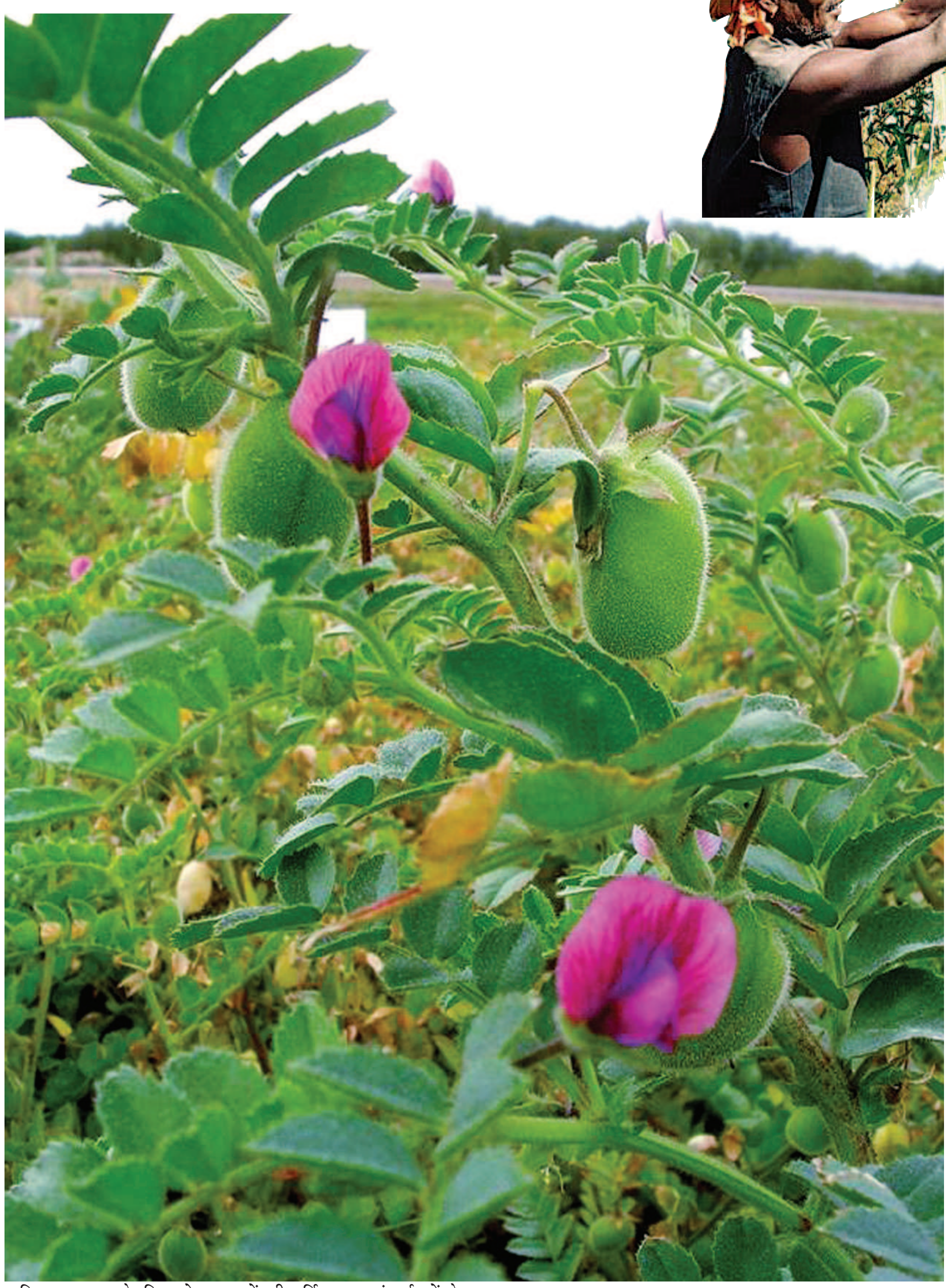

अधिकतम उपज के लिए पोषक तत्वों की पूर्ति खाद एवं उर्वरकों के माध्यम से करना आवष्यक है। गोबर की खाद या केपोस्ट पाँच टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खेत की तैयारी के समय देना चाहिए। मूंग की फसल से अच्छी उपज लेने के लिए 20 किलों नत्रजन, 40 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाष व 20 किलो सल्फर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करना चाहिए। उर्वरक की पूरी मात्रा बोवाई के समय कूंड में बीज के नीचे 5-7 से.मी. की गहराई पर देना लाभप्रद रहता है। मिश्रित फसल के साथ मूंग की फसल को अलग से खाद देने की आवष्यकता नहीं रहती है।

कीट नियंत्रणः

कटुआः चने की फसल को अत्यधिक नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए 20 कि.ग्रा./हे. की दर से क्लोरापायरीफॉस भूमि में मिलाना चाहिए।

फली छेदक : इसका प्रकोप फली में दाना बनते समय अधिक होता हैं नियंत्रण नही करने पर उपज में 75 प्रतिशत कमी आ जाती है। इसकी रोकथाम के लिए मोनाक्रोटोफॉस 40 ई.सी 1 लीटर दर से 600-800 ली. पानी में घोलकर फली आते समय फसल पर छिड़काव करना चाहिए।

चने के उकठा रोग नियंत्रण : उकठा रोग निरोधक किस्मों का प्रयोग करना चाहिए। प्रभावित क्षेत्रो में फल चक्र अपनाना लाभकर होता है। प्रभावित पोधा को उखाड़कर नष्ट करना अथवा गड्ढे में दबा देना चाहिये। बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरडी 4 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बोना चाहिए।

उपज एवं भण्डारण : चने की शुध्द फसल को प्रति हेक्टेयर लगभग 20-25 क्विं. दाना एवं इतना ही भूसा प्राप्त होता है। काबूली चने की पैदावार देशी चने से तुलना में थोडा सा कम देती है। भण्डारण के समय 10-12 प्रतिशत नमी रहना चाहिए।

रसायानिक खेती का बेहतर विकल्प 'बेंवर खेती'

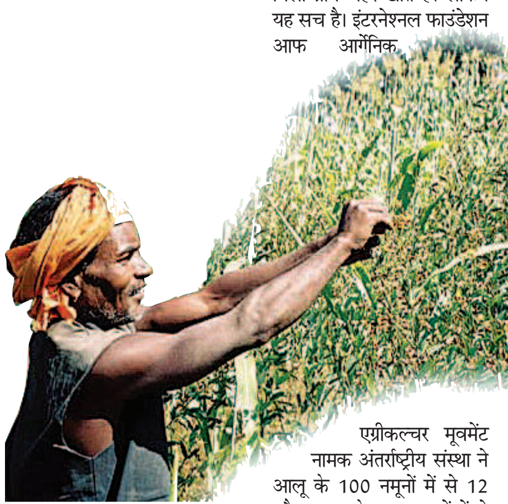

बैगा आदिवासी बिना जोत व उर्वरक के उगाते अनाज व औषधि

यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेशनल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बेपर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख्रेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र के सहारे से करें खेती

मौसम में परिवर्तन हो रहा है, इस बदलते मौसम में वर्षापात जिला स्तर पर न होकर यह प्रखंडवार और पंचायतवार स्तर पर हो रहा है, ऐसी परिस्थिति में किसान पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र द्वारा अपने पंचायत स्तर पर वर्षा माप सकते हैं और उसी के अनुरूप अपनी खेती की योजना बना सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ गोपाल राम शर्मा ने कहा कि पोर्टेबल वर्षा मापक उपकरण प्लास्टिक का बना होता है जो प्लास्टिक के तीन डब्बों से बना होता है और साथ में एक नपना गिलास होता है, जिसमें वर्षा जल डाल कर रीडिंग पढ़ते है, इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है, इसका वजन बहुत ही हल्का होता है।

इसकी कीमत भी लगभग दो हजार के आसपास होती है और यह शहर में विज्ञान के उपकरण की दुकान या मौसम विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्राप्त किया जा सकता है। उनहोंने कहा कि इस उपकरण से यह मालूम हो जाता है कि कितनी वारिस हुई है।

खेत में नमी, पानी की स्थिति देखकर किसान अपनी फसल की योजना बना सकते है। उन्होंने बताया कि इस उपकरण को घर के किसी ऊंचे स्थान पर या छत पर वर्षा शुरू होने से पहले रख देते ह॥ जहां पर आस-पड़ोस पेड़ या दूसरा ऊंचा मकान न हो।

खुले स्थान पर रखने से वर्षा का पानी जमा हो जाता है. उस पानी को नपना गिलास में रख कर रिडिंग किया जा सकता है।

थोक महंगाई 8 साल के निचले स्तर -4.12 फीसदी पर

नई दिल्ली । थोक महंगाई दर से जून महीने में बड़ी राहत मिली है और ये घटकर 8 सालों के निचले स्तर पर आ गई है। जून में थोक महंगाई दर -4.12 फीसदी पर आई है। इससे पिछले महीने मई में थोक महंगाई दर -3.8 फीसदी पर रही थी। ये लगातार तीसरा महीना है जब होलसेल महंगाई दर निगेटिव में आई है। इसके 8 साल के निचले स्तर पर जाने के बाद महंगाई के मोर्चे पर कुछ राहत मिलती दिखाई दे सकती है। वाणिज्य मंत्रालय से आए इस आंकड़े में बताया गया है कि किन आर्टिकल्स की महंगाई दर में गिरावट देखी गई है। इसमें मुख्य रूप से मिनरल ऑयल, खाने-पीने की वस्तुओं, बेसिक मेटल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नैचुरल गैस के दामों में गिरावट आई है। इसके अलावा टेक्सटाइल के दाम भी निचले स्तर पर गए हैं जिसका असर महंगाई दर के कम होने के रूप में देखा जा रहा है। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर शून्य से नीचे है। अप्रैल में यह -0.92 फीसदी पर थी और मई में यह -3.8 फीसदी पर आई थी जबकि जून में थोक महंगाई दर -4.12 फीसदी पर आई है।

एडटेक स्टार्टअप स्किल-लिंक ने की कर्मचारियों की छंटनी

चेन्नई । चेन्नई स्थित एडटेक स्टार्टअप स्किल-लिंक ने अपनी लागत में कटौती कर फिर लगभग 225 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। स्किल लिंक के सह-संस्थापक सूर्यनारायण पनीरसेल्वम ने कहा कि यह कदम परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भविष्य में निवेश को सीमित करने के लिए लिया गया है। अप्रैल में स्किल लिंक ने कम से कम 400 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, इसमें वैश्विक आर्थिक स्थितियों का हवाला दिया गया था। पहले की छंटनी ने सेल्स, मार्केटिंग टेक टेक्नोलॉजी और टैलेंट एक्वीजीशन टीमों को प्रभावित किया था। सूर्यनारायणन और सारंगराजन वी द्वारा अप्रैल 2015 में लांच किए गए एडटेक अपस्किलिंग स्टार्टअप का उद्देश्य स्नातक इंजीनियरिंग शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता और अनुप्रयोग आधारित शिक्षा की कमी को दूर करना है। सूर्यनारायणन ने बताया, व्यापक आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, हमने अपनी विकास उम्मीदों को कम करने और भविष्य पर केंद्रित कुछ परियोजनाओं को धीमा करने का फैसला किया है।

हुंडई ने कोरिया में महिला ऑटो तकनीशियनों को किया नियुक्त

नई दिल्ली। हुंडई दुनिया की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी में से एक है। हाल ही में हुंडई ने दक्षिण कोरिया में लगभग 200 नए तकनीशियनों को नियुक्त किया है, जिसमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि कंपनी ने दक्षिण कोरियाई प्लांट में महिलाओं को नौकरी पर रखा है। हुंडई ने लैंगिक अंतर को सुधारने और कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव को देखते हुए ये फैसला लिया है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि दक्षिण कोरिया में सिर्फ उप-ठेकेदारों द्वारा महिलाओं को तकनीशियन के रूप में काम पर रखा गया था। इस भूमिका में महिलाओं को अस्थायी कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया था। हुंडई अब अपने देश में लगभग 500 तकनीशियनों के लिए अपने दरवाजे खोलने की योजना बना रही है और आखिरकार बड़ी संख्या में महिलाएं स्थायी कार्यबल का हिस्सा हो सकती हैं। बता दें कार निर्माता कंपनियां लैंगिक समानता स्थापित करने और उजागर करने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। भारत में कई कंपनियों की असेंबली और प्रॉडक्शन में सिर्फ महिलाएं काम करती हैं।

आईपीओ लाने की तैयारी में अस्सी कंपनियां: आईआईएफएल

नई दिल्ली ।

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस, स्नैपडील, टाटा टेक्नोलॉजीज, नेटवेब टेक्नोलॉजीज और गो डिजिट इंश्योरेंस समेत 80 कंपनियां आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में हैं। ब्रोकरेज कंपनी आईआईएफएल सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले तीन महीनों से आईपीओ बाजार में तेजी देखी जा रही है। इसकी शुरुआत मैनकाइंड फार्मा के साथ हुई। कंपनी के 4,326 करोड़ रुपये के आईपीओ के साथ पूंजी बाजार में दस्तक दी। इसे निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया। सूचीबद्ध होने के बाद इसका प्रदर्शन बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि तब से पांच और आईपीओ आ चुके हैं। अगले चार-आठ सप्ताह में कई आईपीओ आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा` कि आज की तारीख तक लगभग 80 कंपनियों ने आईपीओ के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास पेशकश दस्तावेज का मसौदा जमा किए हैं। हमें उम्मीद है कि उनमें से कई अगले कुछ महीनों में बाजार में आएंगे। इन कंपनियों में इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस, स्नैपडील, टाटा टेक्नोलॉजीज, नेटवेब टेक्नोलॉजीज और गो डिजिट इंश्योरेंस शामिल हैं।उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य और विनिर्माण सहित कई क्षेत्रों में पूंजी जुटाने का दायरा व्यापक होने की संभावना है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.19 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे मजबूत होकर 81.96 पर पहुंच गया हालांकि विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भारतीय मुद्रा में कमजोरी रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.97 पर मजबूती से खुला और थोड़ी ही देर में 81.96 के भाव पर पहुंच गया। इस तरह पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले रुपये में 12 पैसे की बढ़त दर्ज की गई। गुरुवार को रुपया 82.08 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी नीचे गिरकर 99.26 पर आ गया।

एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक क्रेडिट कार्ड से कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली । अगर आप एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक अब अपने बैंक के रूपे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से यूपीआई लेनदेन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने क्रेडिट कार्ड को यूपीआई ऐप से लिंक करना होगा। फिलहाल यह सुविधा एनपीसीआई द्वारा संचालित भीम ऐप पर शुरू हो गई है। आप अपने सबीआई और आईसीआईसीआई बैंक की ओर से जारी रूपे क्रेडिट कार्ड को भीम ऐप से लिंक कर सकते हैं और पड़ोस के किराना स्टोर पर मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर या ऑनलाइन अपने क्रेडिट कार्ड से पेमेंट कर सकते हैं। बता दें कि भीम ऐप पर अब तक 11 बैंकों के रूपे क्रेडिट कार्ड को लिंक कर सकते हैं। रूपे क्रेडिट कार्ड से आप वैसे ही यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे, जैसा कि बैंक अकाउंट से करते हैं। बस यहां पैसे आपके रूपे क्रेडिट कार्ड से कटेंगे। बता दें कि साल 2022 रूपे क्रेडिट कार्ड ऑन यूपीआई सुविधा की शुरुआत हुई थी। अब आप पड़ोस के दुकान पर स्कैन कर क्रेडिट कार्ड से भी पेमेंट कर सकेंगे। हालांकि रूपे क्रेडिट कार्ड के जरिए आप केवल मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर ही पेमेंट कर सकते हैं या ऑनलाइन मर्चेंट को पेमेंट कर सकते हैं। पी2पी जैसे कुछ पेमेंट नहीं कर सकते हैं। भीम के अलावा गूगल पे, पेटीएम, फोनपे, पेजैप, फ्रीचार्ज जैसे चुनिंदा यूपीआई ऐप्स पर कुछ बैंकों के रूपे क्रेडिट लाइव हो चुके हैं।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद , पहली बार 19,500 के ऊपर पहुंचा निफ्टी

सेंसेक्स 66 हजार के आगे निकला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से आई है। पहली बार निफ्टी 19,500 के पार गया है। इसके साथ ही निफ्टी आईटी इंडेक्स में अच्छी बढ़त रही। आज कारोबार में धातु, संपत्ति और उपभोक्ता शेयरों में खरीदारी रही। इसके अलावा वाहन, बैंकिंग और इंफ्रा इंडेक्स में भी उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 502.01 अंक करीब 0.77 फीसदी बढ़कर 66,060.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का एनएसई निफ्टी 150.75 अंक तकरीबन 0.78 फीसदी की बढ़त के साथ ही 19564.50 अंक पर बंद हुआ। आज दिग्गज कंपनी टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिन्द्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचडीएफसी लाइफ, एमएंडएम , पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाइटन कंपनी और डॉ रेड्डी लैब निफ्टी के नुकसान वाले शेयर रहे। गत कारोबारी सत्र में बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त से शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 300 अंकों के से अधिक की बढ़त दिखी। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी 95 अंकों की मजबूती के साथ 19500 के पार कारोबार करता दिखा। अमेरिकी बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। एशियाई बाजारों में भी ज्यादातर तेजी देखी गई।

महंगाई दर घटी

जून में थोक महंगाई दर घटकर 8 साल के निचले स्तर पर आ गई है। जून में होलसेल प्राइस इंडेक्स रेट -4.12 फीसदी रही जबकि मई में थोक महंगाई दर -3.8 फीसदी पर रही थी।

कई कंपनिया ला रहीं आईपीओ

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस, स्नैपडील, टाटा टेक्नोलॉजीज, नेटवेब टेक्नोलॉजीज और गो डिजिट इंश्योरेंस समेत 80 कंपनियां आने वाले दिनों में आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

कोलकाता बेस्ड कंपनी के शेयरों की धमाकेदार लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

सेनको गोल्ड के शेयरों की शुक्रवार को धमाकेदार लिस्टिंग हुई है और आईपीओ में शेयर लेने वालों को जबरदस्त लिस्टिंग गेन मिला है। सेनको गोल्ड के शेयर शुक्रवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो गए हैं। बीएसई पर सेनको गोल्ड डायमंड्स के शेयर 431 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुए हैं जो कि 36 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्टिंग दिखाता है। इसके मुताबिक सेनको गोल्ड के आईपीओ में मिले शेयरों पर निवेशकों को 114 रुपए प्रति शेयर का फायदा हुआ है। एनएसई पर सेनको गोल्ड डायमंड्स के शेयरों की लिस्टिंग 430 रुपए पर हुई है और आईपीओ में इसके शेयरों का प्राइस बैंड 317 रुपए प्रति शेयर पर रखा गया था। इस तरह सेनको गोल्ड डायमंड्स के शेयरों की लिस्टिंग से निवेशकों को हर शेयर पर 113 रुपए का फायदा मिला है। सेनको गोल्ड के ग्रे मार्केट प्राइस देखने पर माना जा रहा था कि आईपीओ 35 से 40 फीसदी के प्रीमियम पर लिस्ट हो सकता है और ऐसा ही हुआ। सेनको गोल्ड के आईपीओ को निवेशकों की तरफ से शानदार प्रतिसाद देखने को मिला था। सेनको गोल्ड का आईपीओ कुल 73.35 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं कंपनी ने आईपीओ के जरिए बाजार से 405 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। कोलकाता बेस्ड कंपनी सेनको गोल्ड का आईपीओ 4 जुलाई को निवेशकों के लिए खुला था और 6 जुलाई निवेश करने का आखिरी दिन था। कंपनी ने 301 -317 रुपए प्रति शेयर आईपीओ का प्राइस बैंड फिक्स किया था। सेनको गोल्ड डायमंड्स ने अपने आईपीओ के जरिए 405 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था। इसमें 270 करोड़ रुपए नए शेयर्स जारी कर और 135 करोड़ रुपए ऑफर फॉर सेल के जरिए जुटाए गए हैं।

ज़ोमैटो ने अस्थाई रूप से बंद की यूपीआई सेवा

नई दिल्ली । फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ज़ोमैटो ने मई में शुरू किए गए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस पर नए उपयोगकर्ताओं की ऑनबोर्डिंग को अस्थाई तौर पर रोक दिया है। कंपनी ने कहा कि वह महीने के ओ खिर तक ऐप पर नए उपयोगकर्ताओं का नामांकन शुरू कर देगी। इस साल मई में कंपनी ने आईसीआईसीआई बैंक के साथ साझेदारी में देश के कुछ उपयोगकर्ताओं के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवाएं शुरू की थी। ज़ोमैटो के एक प्रवक्ता ने कहा` कि नए यूजर्स ऑनबोर्डिंग के लिए यूपीआई पेशकश को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है, सिर्फ ऑनबोर्डिंग फ्लो पर फीडबैक शामिल प्राप्त करने के लिए हम महीने के ओ खिर तक नए उपयोगकर्ताओं का नामांकन शुरू कर देंगे। यूपीआई भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा विकसित एक वास्तविक समय भुगतान प्रणाली है। यह ऐप्स पर यूपीआई पिन का उपयोग करके उपयोगकर्ता के फोन से सीधे मनी ट्रांसफर की सुविधा प्रदान करती है। देश में यूपीआई सेवा प्रदान करने वाले कुछ शीर्ष खिलाड़ी गूगल पे, पेटीएम और फोन पे हैं। बता दें कि देशभर में करोड़ों लोग हर दिन जोमैटो से खाना मंगाते हैं। देश भर में जोमैटो का ऑर्डर वॉल्यूम 500 मिलियन के करीब है और यह नंबर साल 2026 तक 1.6 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है। ये प्लेटफार्म पर लाखों लोग नौकरी भी कर रहे हैं।

कच्चे तेल में तेजी, पटना में 30 पैसे सस्ता हुआ पेट्रोल

– ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 81.65 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

क्रूड की कीमतों में लगातार उछाल का सिलसिला जारी है। वैश्विक बाजार में बीते 24 घंटों के दौरान क्रूड का भाव बढ़कर 82 डॉलर के करीब पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल के खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। शुक्रवार को कई शहरों में तेल की खुदरा कीमतें बदल गई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 30 पैसे सस्ता होकर 107.24 रुपए लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 28 पैसे गिरकर 94.04 रुपए लीटर हो गया है। हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल 19 पैसे गिरकर 96.99 रुपए लीटर हो गया है, लेकिन डीजल 2 पैसे सस्ता होकर 89.84 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में फिर उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 81.65 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। डब्ल्यूटीआई भी वैश्विक बाजार में 77.25 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.99 रुपए और डीजल 89.84 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सरकार जल्द घटा सकती है घी और मक्खन की कीमत

नई दिल्ली ।

दूध और दही सहित सभी डेयरी उत्पादों की कीमतें बढ़ने के बाद घी और मक्खन के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। सरकार जल्द इन दोनों उत्पादों के की कीहत घटाने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि घी और मक्खन पर जीएसटी (जीएसटी) की दर करीब 7 फीसदी घटाई जा सकती है। इसके बाद दोनों उत्पादों के दाम कम हो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार घी और मक्खन पर लगने वाले मौजूदा 12 फीसदी जीसटी को घटाकर 5 फीसदी कर दिया जाएगा। इससे कीमतों में करीब 4 फीसदी की गिरावट आ सकती है। घी और मक्खन के दाम घटाने का प्रस्ताव पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने वित्त मंत्रालय को भेजा है। साथ ही जीएसटी फिटमेंट कमेटी को भी इसका प्रस्ताव दिया है, जो जीएसटी परिषद के साथ बातचीत कर इस पर विचार करेगी। अपने प्रस्ताव में डेयरी विभाग ने कहा है कि अगर आप घी को लग्‍जरी प्रोडक्ट की कैटेगरी में रखते हैं और इस पर 12 फीसदी जीएसटी स्लैब लगाते हैं तो इसका नुकसान उपभोक्ताओं के साथ किसानों को भी होगा। जीएसटी परिषद को पिछले साल भी पैकेज्ड मिल्क प्रोडक्ट जैसे पनीर, कर्ड, लस्सी और छाछ पर 5 फीसदी टैक्स लगाने का प्रस्ताव भेजा था।

अभी इस पर 12 फीसदी की दर से जीएसटी वसूला जा रहा है। बताया जा रहा है कि घी और बटर पर कुकिंग ऑयल जितना ही जीएसटी लगना चाहिए, जो 5 फीसदी है। इससे किसानों को अपने उत्पादों का सही मोल मिल सकेगा। इसका फायदा न सिर्फ किसानों को मिलेगा, बल्कि इससे महंगाई पर लगाम कसने में भी मदद मिलेगी।

विदेशी गेमिंग प्लेटफॉर्मों के लिए सख्त मानकों पर चल रहा कामः राजस्व विभाग

नई दिल्ली ।

राजस्व विभाग विदेश के ई-गेमिंग प्लेटफॉर्मों पर नजर रखने और उन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने के लिए एक अलग व्यवस्था बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इस व्यवस्था के तहत विदेश स्थित ऐप/प्लेटफॉर्म को बैंकिंग चैनल के माध्यम से भुगतान करने की स्थिति में सख्त घोषणा सुनिश्चित करनी होगी। विभाग विदेशी ऑफशोर इकाइयों के लिए एक नियत समयावधि में कर के मकसद से जीएसटी पंजीकरण अनिवार्य कर सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसका अनुपालन न करने की स्थिति में भारत में उनकी पहुंच ब्लॉक की जा सकती है और कर वसूली के लिए कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं। जीएसटी परिषद ने खिलाड़ियों से घरेलू ऑनलाइन गेमिंग फर्मों से प्राप्त राशि पर ज्यादा कर लगाने का फैसला किया था, जिसके बाद इस कदम की तैयारी चल रही है। घरेलू ऑनलाइन गेमिंग पर कर लगाने को लेकर मसौदा नियम की तैयारी के बीच विभाग ऑफशोर ई-गेमिंग प्लेटफॉर्मों के लिए बाध्यताओं पर काम कर रहा है, जिससे नए कर नियम लागू किए जा सकें। इस व्यवस्था के तहत बैंकों के माध्यम से विदेश में पैसे भेजने वाले लोगों को अपना मकसद बताने का दायित्व होगा। उदाहरण के लिए उन्हें लेनदेन के दौरान ऐप या प्लेटफॉर्म का विवरण देना होगा, जिससे कि भेजी गई राशि पर तुरंत कर का भुगतान हो सके। अगर कोई व्यक्ति गलत जानकारी देता है तो उसके ऊपर जीएसटी नियमों के तहत कठोर जुर्माना लगाया जाएगा।

भारत का यूपीआई अब फ्रांस में भी चलेगा

नई दिल्ली ।

भारत का यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) धीरे-धीरे दुनियाभर में प्रवेश कर रहा है। कई देशों तक यह पहले ही अपनी पहुंच बना चुका है और अब भारत का यूपीआई फ्रांस में भी चलेगा। भारत और फ्रांस के बीच फ्रांस में यूपीआई इस्तेमाल करने को लेकर समझौता हो गया है। फ्रांस के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेमेंट सिस्टम यूपीआई का इस्तेमाल करने को लेकर भारत और फ्रांस के बीच सहमति बनी है। इसके चलते अब फ्रांस के लोग भी यूपीआई का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे भारत के इनोवेशन के लिए एक बड़ा बाजार खुलेगा। पीएम मोदी ने फ्रांस में एक कला केंद्र में भारतीय कम्युनिटी के लोगों से बात करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही एफिल टावर के पास भी भारतीय पर्यटक यूपीआई का इस्तेमाल करते हुए रुपए में भुगतान कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यूपीआई के इस्तेमाल के लिए फ्रांस के साथ एक समझौता हुआ है, जिसकी शुरुआत एफिल टावर से होगी। 2022 में यूपीआई सेवा देने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने फ्रांस की तेज और सुरक्षित ऑनलाइन भुगतान प्रणाली लायरा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये दो विकेट पर 312 रन , यशस्वी नाबाद 143 रन

–सहवाग से आगे निकले विराट

डोमिनिका (एजेंसी)। यशस्वी जयसवाल (143 नाबाद) के पदार्पण टेस्ट में शतक और कप्तान रोहित शर्मा (103) के साथ दोहरी शतकीय साझीदारी की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरूवार को दो विकेट पर 312 रन बना कर 162 रनों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। रविचंद्रन अश्विन के पांच विकेट की घातक गेंदबाजी के चलते वेस्टइंडीज की पहली पारी में महज 150 रन पर सिमट गई थी।

मुंबई के 21 वर्षीय खिलाड़ी का जादू विंडसर पार्क की पिच पर सिर चढ़ कर बोला जिसका मेजबान गेंदबाजों के पास कोई तोड़ नहीं था। दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर को 10वां शतक बनाया। वेस्टइंडीज ने दूसरे सत्र में दो विकेट चटकाए मगर उनके गेंदबाज मेहमान टीम को बड़ी लीड हासिल करने से नहीं रोक सके।

पहले सत्र में पिच से टर्न और उछाल मिलने के चलते वेस्टइंडीज के स्पिनरों ने रोहित और जयसवाल को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। भारतीय बल्लेबाज 32 ओवरों में केवल 66 रन ही बना सके। इस बीच जयसवाल केवल एक चौका लगाने में सफल रहे और उन्होंने अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

दूसरे घंटे में स्पिनरों का दबदबा रहा और उन्होंने टर्न और बाउंस से भारतीय सलामी बल्लेबाजों को परेशान किया। इस बीच राखीम कोरवाल की एक गेंद जायसवाल के बल्ले के बेहद करीब से गुजरी मगर डीआरएस ने मुंबईकर को राहत दी। राखीम एक बार फिर दुर्भाग्यशाली रहे जब रोहित ने एक उछाल लेती गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर हवा में फेंका मगर वह कैच आउट होने से बच गए।

लंच के बाद जयसवाल ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शाट्स लगाये और टेस्ट डेब्यू पर शतक बनाने वाले 17 वें भारतीय बल्लेबाज और तीसरे भारतीय सलामी बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। रोहित के साथ उनकी 229 रनों की साझेदारी भी वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ ओपनिंग साझेदारी थी।

विदेशी जमीन पर एक ही पारी में दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों द्वारा शतक बनाने का केवल छठा उदाहरण है। शतक पूरा करने के बाद रोहित अपना विकेट गंवा बैठे वहीं नये बल्लेबाज शुभमन गिल जोमेल वारिकन की गेंद पर दूसरी स्लिप में कैच आउट हो गए।

चाय से पहले विराट कोहली (36 नाबाद) वारिकन की गेंद पर लेग-स्लिप पर लगभग लपक लिए गए थे और पहले लेग-बिफोर रिव्यू से बचे लेकिन बाद में उन्होंने जयसवाल के साथ मिलकर पारी को आगे

बढाया। जयसवाल ने जोसेफ की गेंद पर चौका जड़कर कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन का आंकड़ा पार किया। कोहली भी एक्शन में आए और वारिकन की गेंद पर कवर के जरिए अपनी पहली बाउंड्री लगाई।

अमरीका ओपन सुपर 300: सिंधु और सेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, शंकर भी जीते

काउंसिल ब्लफ्स (अमरीका) (एजेंसी)। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु और लक्ष्य सेन ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके यहां अमरीका ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला और पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने कोरिया की सुंग शुओ युन को 21-14, 21-12 से हराया।

पिछले सप्ताह अपने कनाडा ओपन सुपर 500 खिताब जीतने वाले सेन ने चेक गणराज्य के जेन लोदा को 39 मिनट में 21-8, 23-21 से हराया। सिंधु का अगला मुकाबला चीन की गाओ फांग जी से होगा, जबकि पुरुष एकल में मुकाबला दो भारतीय के बीच होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त सेन चेन्नई के 19 वर्षीय एस शंकर मुथुसामी से भिड़ेंगे। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2022) के रजत पदक विजेता ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए इजराइल की मिशा जिल्बरमैन पर 21-18, 21-23, 21-13 से जीत दर्ज की।

सिंधु को सुंग के खिलाफ ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। सिंधु ने शुरुआत में ही 7-2 की बढ़त बना ली और फिर इसे 13-5 कर लिया। सुंग ने इस अंतर को 11-14 करने में सफल रही लेकिन सिंधु ने इसके बाद अपने दमदार खेल से उनकी वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सिंधु को दूसरे गेम की शुरुआत में सुंग से कड़ी टक्कर मिली। सुंग ने 5-3 की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन सिंधु ने इसे 7-7 से बराबर किया और फिर 11-8 की बढ़त ले ली। स्कोर 16-12 होने के बाद सिंधु ने लगातार पांच अंक जुटा कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सेन ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी के खिलाफ पहले गेम में अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने 6-1 की बढ़त लेने के बाद इसे बढ़ाकर 17-5 कर लिया। इसके बाद उन्हें इस गेम को जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। सेन को हालांकि दूसरे गेम में 39 साल के खिलाड़ी ने कड़ी चुनौती दी जेन ने 8-5 की बढ़त लेकर सेन को चौंका दिया। उन्होंने अपनी बढ़त को 19-14 किया लेकिन सेन ने इसके बाद शानदार वापसी की। इस भारतीय खिलाड़ी ने स्कोर को 19-19 बराबर करने के बाद कुछ शानदार बचाव किये और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा का बड़ा बयान, कहा- हर मैच के लिए योजना बनाने से मदद मिल रही है

रोसेउ (एजेंसी)। पुणे। एशियाई खेलों और अगले साल होने वाले ओलंपिक की तैयारियां कर रही भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा का मानना है कि अपना दृष्टिकोण बदलने और प्रत्येक मैच के लिए व्यापक रणनीति बनाने से उनके खेल को बेहतर बनाने में मदद मिली है। भारतीय दल इस सितंबर में एशियाई खेलों के लिए हांगझोउ के लिए उड़ान भरेगा तब मनिका टेबल टेनिस में पदक के लिए देश की सबसे बड़ी उम्मीदों में से एक होंगी। मिश्रित युगल में उनके जोड़िदार जी साथियान के मुताबिक इस जोड़ी से ओलंपिक में पदक की उम्मीद की जा सकती है। पिछले नवंबर में एशियाई कप में कांस्य पदक जीतने वाली 28 साल की मनिका ने कहा कि कोच अमन बाल्गु के साथ काम के दौरान उनके खेल में बदलाव आया है। मनिका अल्टिमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) लीग के इतर 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, '' कोच की भूमिका काफी अहम होती है। अमन शानदार मेंटोर और कोच है। वह मेरे साथ यात्रा करते हैं और रणनीति बनाने पर काम करते हैं।'' यूटीटी में बेंगलुरु स्मैशर्स का प्रतिनिधित्व करने वाली इस खिलाड़ी ने कहा, '' मैं इससे पहले योजना बनाने पर ज्यादा काम नहीं करती थी लेकिन अब हर मैच से पहले हम योजना बनाते है। मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी मदद मिल रही है।'' मनिका ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में निराशाजनक अभियान के बाद अमन बाल्गु की सेवाएं ली थीं।

साउथ अफ्रीका जाएगी भारतीय टीम, शेड्यूल हुआ जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने संयुक्त रूप से भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम की पुष्टि कर दी है। दोनों टीमें 10 दिसंबर से तीन टी20, तीन वनडे और 2 टेस्ट मैचों में आमने-सामने होंगी और यह दौरा जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में समाप्त होगा। देश में 19 नवंबर को समाप्त होने वाले वनडे विश्व कप के बाद यह भारत का पहला विदेश दौरा होगा।

यह दौरा 10 दिसंबर से डरबन में तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ शुरू होगा और बाकी दो मैच क्रमश 12 और 14 दिसंबर को गकेबरहा और जोहान्सबर्ग में खेले जाएंगे। 17 दिसंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के साथ एक त्वरित बदलाव हो रहा है, जबकि अगले दो मुकाबले क्रमशः 19 और 21 दिसंबर को खेले जाएंगे। बहुप्रतीक्षित दो मैचों की टेस्ट सीरीज़, जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का भी हिस्सा होगी और जिसे फ्रीडम सीरीज़ कहा जाता है, सेंचुरियन में बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) को शुरू होगी, जबकि नए साल में केप टाउन में टेस्ट खेला जाएगा।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, ÷फ्रीडम सीरीज सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि इसमें दो उत्कृष्ट टेस्ट टीमें शामिल हैं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला का

सम्मान करती है, दो महान नेता जिन्होंने हमारे संबंधित देशों और उनके आसपास की दुनिया को आकार दिया। द बॉक्सिंग डे टेस्ट और नए साल का टेस्ट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से हैं और कार्यक्रम की योजना विशेष रूप से इन प्रमुख तारीखों के आसपास बनाई गई है। भारत को दक्षिण अफ्रीका में हमेशा मजबूत समर्थन मिला है, और मुझे विश्वास है कि प्रशंसकों का सम्मान किया जाएगा। कुछ रोमांचक प्रतियोगिताएं जिनमें तीव्रता की कोई कमी नहीं है।'

आने वाले दिनों में और अधिक योगदान देने का प्रयास करुंगा : यशस्वी

रोसेउ । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में शतक लगाने के बाद कहा कि ये तो केवल शुरुआत है । आने वाले समय में वह और भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं । यशस्वी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे दिन शतक लगाकर अपने को साबित किया है । विदेशी धरती पर शतक लगाने वाले पहले सलामी बल्लेबाज बनने के साथ ही पदार्पण टेस्ट में शतक लगाने वाले वह पहले बल्लेबाज भी हैं । मैच के बाद इस युवा बल्लेबाज ने प्रबंधन के साथ– साथ भारतीय कप्तान को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि अभी आगे और भी बहुत कुछ है ।

यशस्वी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी पारी की शुरुआत करने में सक्षम : इशांत

मुम्बई । अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा है कि यशस्वी जयसवाल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी पारी की शुरुआत करने में सक्षम हैं । इशांत के अनुसार जिस प्रकार यशस्वी ने वेस्टइंडीज में बल्लेबाजी की है । उससे ये बात साबित होती है । यशस्वी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन करते हुए शतकीय पारी खेली है । इशांत के अनुसार यशस्वी भविष्य में एक शानदार बल्लेबाज बनकर उभरेंगे । यशस्वी ने अब तक 15 प्रथम श्रेणी मैचों में 1845 रन बनाए हैं और इससे पहले आईपीएल में भी तेज से रन बनाये थे । इसी के बाद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के लिए जगह मिली जिसका इस बल्लेबाज ने पूरा लाभ उठाया है । ईशांत ने कहा कि यशस्वी नई गेंद के खिलाफ आसानी से कट और पुल शॉट लगाते हैं जो एक अच्छा संकेत है हालांकि वह कवर ड्राइव कम खेलते हैं । साथ ही कहा कि उसकी शतकीय पारी को देखकर आप कह सकते हैं कि वह इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेलने के लिए तकनीकी रुप से बिल्कुल तैयार दिखते हैं । इशांत ने साथ ही कहा, यह एक शुरुआती बल्लेबाज के लिए एक अच्छा संकेत है जब वह फुल डिलीवरी पर कवर ड्राइव खेलने से बचता है । यदि आप कवर ड्राइव खेलते हैं, तो आपके पीछे या स्लिप में पकड़े जाने की संभावना होती है । वह नई गेंद के खिलाफ केवल कट और पुल से रन बनाने का प्रयास कर रहे थे । जो हमेशा लाभदायक रहता है ।

खेलमंत्री ठाकुर को भारतीय हॉकी टीम के एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का भरोसा

–प्रशंसकों को उत्साहित करने 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान को लांच किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारतीय हॉकी टीम अगले माह चेन्नई में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी जीतेगी। खेल मंत्री ठाकुर ने मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, चेन्नई 2023 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी का अनावरण करते हुए ये बात कही। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान भी शुरु किया। 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान का लक्ष्य हॉकी प्रशंसकों को उत्साहित करने और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए एक प्रेरक माहौल तैयार करना है। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से शुरु होगी, जिसमें भारतीय टीम के अलावा दक्षिण कोरिया, मलेशिया,

जापान, पाकिस्तान और चीन की टीमें भी शामिल होंगी। यह चैम्पियनशिप 12 अगस्त तक चलेगी।

ठाकुर ने कहा कि ट्रॉफी की यात्रा महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह उत्साह पैदा करने के साथ ही लोगों में खेल के प्रति जागरूकता भी बढ़ाती है। इससे युवा खिलाड़ियों को ट्रॉफी देखने और एक दिन टीम इंडिया का हिस्सा बनने का सपना देखने का भी अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम चौथी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतेगी। उन्होंने कहा कि चेन्नई एक बहुत अच्छा मेजबान साबित होगा और हमारी सरकार सहकारी संघवाद और प्रतिस्पर्धी संघवाद में विश्वास करती है, जो खेलों के लिए भी लागू होता है। आपसी सहयोग से यह खेल प्रतियोगिता बेहद सफल होगी और सभी देशों के खिलाड़ी अच्छी यादों के साथ अपने देश लौटेंगे। उन्होंने कहा कि सर्वश्रेष्ठ टीम यह चैंपियनशिप जीतेगी जिससे लोगों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने हॉकी इंडिया और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के आयोजन से जुड़े सभी हितधारकों को भी अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं।

इस कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार टिर्की हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष और हॉकी इकाई के अध्यक्ष तथा मेजबान राज्य तमिलनाडु के अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व ओलंपियन हरबिंदर सिंह, अशोक दीवान, जफर इकबाल, रोमियो जेम्स, एमपी सिंह, एचपीएस चिमानी और विनीत कुमार सहित कई खिलाड़ी भी मौजूद थे।

विश्व चैम्पियनशिप में भारत को मीराबाई , बिंदियारानी से उम्मीदें

नई दिल्ली । सितंबर में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारतीय दल की अगुआई ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू करेंगी । विजेता चानू 49 किग्रा के अलावा बिंदियारानी देवी 55 किग्रा और अचिंता शेयुली 73 किग्रा भी महिला टीम में रहेंगी जबकि पुरुष वर्ग से शुभम टोडकर 61 किग्रा और नारायण अजीत 73 किग्रा भी भारतीय दल में शामिल रहेंगे । इस चैम्पियनशिप में भारत को मीराबाई और बिंदियारानी से उम्मीदें रहेंगी । यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी पर उसमें शुभम शामिल नहीं रहेंगे । मई में एशियाई चैम्पियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी । चानू और बिंदियारानी इस समय अमेरिका में फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग कोच डा आरोन होर्शिग के मार्गदर्शन शिविर में हैं । राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा, '' मीरा चोटिल नहीं है, हम उसके मजबूत पक्षों पर काम कर रहे हैं । वह विश्व चैम्पयनशिप और एशियाई खेलों में भाग लेंगी । विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के बीच काफी कम समय का अंतर है । विश्व चैम्पियनशिप आमतौर पर साल के अंत में नवंबर और दिसंबर में कराई जाती है, लेकिन इस बार यह चार सितंबर से शुरु हो रही है और एशियाई खेल 20 दिन के अंदर चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरु होंगे । एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और चानू के पास केवल यही पदक नहीं हैं । पूर्व विश्व चैम्पियन चानू ने पिछले साल दिसंबर में विश्व चैम्पियनशिप के पिछले चरण में एक रजत पदक जीता था पर 2024 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियम के अंतर्गत 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना जरुरी है ।

भारतीय टीम इस प्राकर है : महिला : मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) पुरुष ः अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा) ।

एशियाई चैम्पियनशिप : तेजिंदरपाल तूर ने खिताब बरकरार रखा, पारूल चौधरी ने भी जीता गोल्ड

बैंकॉक (एजेंसी)। भारतीय गोला फेंक एथलीट तेजिंदरपाल सिंह ने शुक्रवार को यहां एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखते हुए महाद्वीपीय सर्किट में अपना आधिपत्य स्थापित किया। हालांकि दूसरे थ्रो में सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बाद वह लंगड़ाते हुए बाहर आए। एशियाई रिकॉर्डधारी तूर ने दूसरे थ्रो में 20.23 मीटर की दूरी पर गोला फेंका लेकिन इस प्रयास के बाद वह 'ग्रोइन% हिस्से में चोट से लंगड़ाते हुए बाहर आये। इसके बाद उन्होंने कोई थ्रो नहीं किया।

ईरान के साबेरी मेहदी (19.98 मीटर) ने रजत पदक और कजाखस्तान के इवान इवानोव (19.87 मीटर) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। पारूल चौधरी ने बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में अपना पहला 3000 मीटर स्टीपलचेस खिताब हासिल किया जिससे भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या पांच हो गयी। लंबी कूद की युवा एथलीट शैली सिंह ने भी पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना पहला पदक रजत के रूप में हासिल किया।

इससे भारत के लिए यह दिन शानदार रहा। भारत ने अभी तक नौ पदक जीत लिए हैं जिसमें पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य शामिल हैं। बुधवार को एक कांस्य पदक के बाद भारत ने गुरुवार को तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदक अपनी झोली में डाले थे। एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी विजेताओं के पास हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप (19 से 27 अगस्त) के लिए क्वालीफाई करने का मौका है।

विश्व चैम्पियनशिप के क्वालीफाइंग मापदंड के अनुसार महाद्वीपीय चैम्पियन सीधे इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं बशर्ते विश्व रैंकिंग के आधार पर इसी स्पर्धा में उसी क्षेत्र से कोई बेहतर खिलाड़ी शामिल नहीं हो। तूर गोला फेंक स्पर्धा में जीत के प्रबल दावेदार थे। उन्होंने 19.80 मीटर के प्रयास के बाद दूसरे प्रयास में 20.23 मीटर दूर गोला फेंका। तूर (28 वर्ष) एशियाई चैम्पियनशिप खिताब कायम रखने वाले तीसरे गोला फेंक एथलीट बन गये हैं।

कतर के बिलाल साद मुबारक ने 1995 और 1998 तथा 2002 और 2003 में दो बार लगातार स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि दो बार अपने नाम की है। कुवैत के मोहम्मद घारिब अल जिंकावी ने लगातार तीन बार 1979, 1981 और 1983 में पहला स्थान हासिल किया था। सात भारतीयों ने इससे पहले एशियाई चैम्पियनशिप में गोला फेंक स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता है।

अभी तूर की चोट की गंभीरता का पता नहीं चल सका है लेकिन यह उनके लिए चिंता का विषय हो सकती है क्योंकि एक महीने बाद बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप शुरु हो रही है। तूर ने को बायीं कलाई में पट्टी बांधकर हिस्सा लिया था, उन्होंने कहा, 'हां, मुझे दर्द हो रहा था इसलिए मैंने और प्रयास नहीं किए।'

तूर ने पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैम्पियनशिप में 21.77 मीटर नये एशियाई रिकॉर्ड थ्रो से विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था। वह 'ग्रोइन' की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 2022 विश्व चैम्पियनशिप में नहीं खेल पाये थे और यह चोट उन्हें टूर्नामेंट से पहले ही लगी थी जिसके कारण वह बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। तोक्यो ओलंपिक के तुरंत बाद तूर ने अपनी 'थ्रो' करने वाले बायीं बाजू की कलाई की सर्जरी भी करायी थी।

इस साल के शुरु में अमेरिका में ट्रेनिंग करने वाली 28 वर्षीय पारूल चौधरी ने नौ मिनट 38.76 सेकेंड के समय से आसान जीत हासिल की। उनका यह समय उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ नौ मिनट 29.51 सेकेंड के समय से बेहतर रहा। चीन की शुआंगशुआंग जू (नौ मिनट 44.54 सेकेंड) और जापान की योशिमुरा रेमी (9:48.48) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा 2007 में ही शुरु

की गयी थी जिसमें भारत का दबदबा रहा है। सुधा सिंह ने 2013 और 2017 तथा ललिता बाबर ने 2018 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीते थे। पारूल चौधरी 2017 और 2019 में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2019 में 5000 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक भी जीता था, इस स्पर्धा में उनके नाम राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। वह गैर ओलंपिक 3000 मीटर स्पर्धा में भी राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी हैं।

महान एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज की शिष्या 19 वर्षीय शैली का यह सीनियर स्तर पर पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था जिसमें उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होंने 2021 में विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। शैली ने 6.54 मीटर के पहले प्रयास से दूसरा स्थान हासिल किया। वह पहले आगे चल रही थी लेकिन जापान की सुमिरे हाता ने 6.97 मीटर के प्रयास से पहला स्थान हासिल किया। चीन की झोंग जियावेई ने 6.46 मीटर की कूद से कांस्य पदक हासिल किया। एक अन्य भारतीय एंसी सोजान 6.41 मीटर के प्रयास से चौथे स्थान पर रहीं। भारत ने 2019 के चरण में 16 पदक जीते थे जिसमें दो स्वर्ण, सात रजत और सात कांस्य पदक शामिल थे।

एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व में इस साल के अंत में होगा

कुआलालंपुर । भारतीय टीम इस साल के अंत में होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी । भारतीय टीम शुरुआती दिन दिन पांच दिसंबर को ग्रुप सी में दक्षिण कोरिया से खेलेगी । इस टूर्नामेंट का आयोजन 5 से 16 दिसंबर तक होगा । भुवनेश्वर में हुए हुए गत विश्व कप (2021) में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम को ग्रुप चरण में इस बार आसान ड्रा मिला है । ग्रुप सी में भारत और दक्षिण कोरिया के अलावा स्पेन और कनाडा की टीमें रहेंगी । भारतीय टीम ग्रुप चरण में सात दिसंबर को स्पेन जबकि नौ दिसंबर को कनाडा से खेलेगी । टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर एक समारोह के दौरान लॉन्च किया गया। इसमें मेजबान मलेशिया, गत चैम्पियन अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और चिली ग्रुप ए में है, जबकि छह बार की चैम्पियन जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र ग्रुप बी में हैं । वहीं नीदरलैंड, बेल्जियम, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है । इससे दुनिया भर की 16 टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी । भारत के उत्तम सिंह ने टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा जताया । उन्होंने कहा, '' सुल्तान जोहोर कप और जूनियर एशिया कप में जीत के बाद भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है । टीम मलेशिया में जूनियर विश्व कप में पोडियम स्थान हासिल करने को लेकर भी आश्वस्त है ।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी अगस्त में होगी

चेन्नई । चेन्नई में तीन से 12 अगस्त तक यहां होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शुरुआती मुकाबला चीन से होगा । ये मुकाबला मेजर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन अगस्त को खेला जाएगा । इसके बाद भारतीय टीम अपने दूसरे मैच में चार अगस्त को जापान से और छह अगस्त को मलेशिया से खेलेगी । इसके बाद भारतीय टीम को दक्षिण कोरिया को सामना करना होगा । एशियाई हॉकी महासंघ ने जो कार्यक्रम जारी किया है । उसके तहत भारत और पाकिस्तान का मुकाबला नौ अगस्त को खेला जाएगा । छह टीमों के इस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत की टीमें भाग लेंगी । सभी टीमें एक ही पूल में है और अंकतालिका के आधार पर उनके मुकाबले होंगे ।

ग्रामीण क्षेत्र के संपत्ति धारकों को स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रॉपर्टी कार्ड की प्रथम प्रति निःशुल्क मिलेगी

गांधीनगर ।
मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के संपत्ति धारकों को स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार होने वाले प्रॉपर्टी कार्ड की प्रथम प्रति निःशुल्क देने का जनहितकारी निर्णय किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल टेक्नोलॉजी के इस युग में ड्रोन टेक्नोलॉजी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति धारकों की संपत्ति को मापने का एक नया दृष्टिकोण अपनाया है। भारत सरकार के पंचायतीराज विभाग द्वारा इस उदेश्य से स्वामित्व (सर्वे ऑ[illegible] विलेजेस आबादी एंड मैपिंग विद इम्प्रोवाइज्ड टेक्नोलाजी इन विलेज एरियाज) योजना क्रियान्वित की गई है। इस योजना के अंतर्गत दूसरे चरण में गुजरात को शामिल किया गया है। इसके तहत राज्य के लगभग 14,814 गांवों में प्रॉपर्टी कार्ड तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा अब तक 11,000 से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूरा किया जा चुका है। आगामी समय में क्रमशः योजनाबद्ध तरीके से राज्य में इस योजना के अंतर्गत शामिल सभी गांवों में प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत रिकार्ड प्रमोलगेशन के बाद तैयार होने वाले प्रॉपर्टी कार्ड की पहली प्रति ग्रामीण क्षेत्र में अंतिम छोर पर रहने वाले संपत्ति धारक नागरिकों को निःशुल्क वितरित करने का ग्रामीणजनों के हित में ऐतिहासिक निर्णय किया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वामित्व योजना का बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा तथा उनकी सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। इतना ही नहीं, इससे ग्रामीण नागरिकों को अपनी संपत्ति से संबंधित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस महत्वाकांक्षी योजना के जरिए ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहली बार इतने बड़े पैमाने पर आधुनिक टेक्नोलॉजी के उपयोग से सर्वे कार्य शुरू होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र के लाखों संपत्ति धारकों को अपने अधिकारों का रिकार्ड मिलेगा। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले सभी संपत्ति धारकों को पहली बार मालिकाना हक दर्शाने वाला एक कानूनी दस्तावेज प्राप्त होगा। ऐसे संपत्ति धारकों को कानूनी दस्तावेज के दौर पर प्रॉपर्टी कार्ड मिलने से उन्हें अपनी संपत्ति का उपयोग कर ऋण या अन्य वित्तीय लाभ हासिल करने में आसानी होगी। ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम छोर पर रहने वाले लोग अपनी संपत्ति का उपयोग कर आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। इससे संपत्ति से संबंधित विवादों में कमी आएगी, साथ ही स्वामित्व योजना का लाभ लेकर संपत्ति के नक्शे प्राप्त होने से ग्रामीण क्षेत्र के विकास को और अधिक गति मिलेगी।

अदानी स्पोर्ट्सलाइन लिटिल जाइंट्स इंटरस्कूल चैंपियनशिप-2023 15 जुलाई को लॉन्च करेगी

अहमदाबाद।
अदानी स्पोर्ट्सलाइन गुजरात राज्य में स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उन्हें उच्चतम स्तर तक पहुंचने के लिए तैयार करने की योजना के साथ जुलाई में लिटिल जायंट्स इंटरस्कूल चैंपियनशिप-2023 लॉन्च कर रही है। इसमें फुटबॉल खेल भी शामिल होंगे। टूर्नामेंट का पहला राउंड 15 जुलाई से सूरत में शुरू होगा. जबकि चैंपियनशिप के सभी फाइनल अहमदाबाद में होंगे.

लिटिल जाइंट्स इंटरस्कूल चैंपियनशिप-2023 का उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों के प्रति बच्चों का उत्साह बढ़ाना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें अगले स्तर तक पहुंचने के लिए तैयार करना है। लिटिल जायंट्स इंटरस्कूल चैम्पियनशिप से प्रत्येक खेल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उनके कौशल के आधार पर खेल के भविष्य के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चुना जाएगा। इस चैंपियनशिप के पिछले सीज़न में कबड्डी और खो-खो के खेल शामिल थे, जिसमें राज्य भर से 12 से 17 वर्ष के 3000 छात्र मैदान में उतरे थे।

लिटिल जाइंट्स इंटरस्कूल कबड्डी चैंपियनशिप-2023 की शुरुआत सूरत में इंटर सिटी फाइनल (15-16 जुलाई) से होगी, जो पीपी सवाणी कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया जाएगा। जिसके बाद चैंपियनशिप राजकोट (22-23 जुलाई), बड़ौदा (29-30 जुलाई) और अहमदाबाद (4-5 अगस्त) में आयोजित की जाएगी। जबकि फाइनल 6-7 अगस्त को अहमदाबाद में ही होगा. प्रत्येक शहर से शीर्ष 2 टीमें प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई करेंगी। जो अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा।

लिटिल जाइंट्स इंटरस्कूल खो-खो चैंपियनशिप-2023 और इंटर सिटी फाइनल सूरत (15 जुलाई) से शुरू होगा, जो पीपी सवाणी कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया जाएगा। जिसके बाद चैंपियनशिप राजकोट (22 जुलाई), बड़ौदा (29 जुलाई) और अहमदाबाद (4 अगस्त) में आयोजित की जाएगी। जिसके बाद फाइनल अहमदाबाद (6-7 अगस्त) में होगा।

श्री स्वामीनारायण एच.वी. स्कूल में चंद्रयान-3 के लॉन्च का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया

सूरत।
आज जब चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है तो सूरत में छात्र भी इस पल को लाइव देख सकते हैं, श्री स्वामीनारायण एच.वी. स्कूल में न सिर्फ सारी व्यवस्थाएं की गईं, बल्कि सभी अभिभावकों को लाइव टेलीकास्ट का लिंक भी भेजा गया।

अडाजण स्थित श्री स्वामीनारायण एच.वी. विद्यालय सदैव ज्ञान, शिक्षा एवं संस्कृति के माध्यम से शिक्षा के केन्द्र में रहा है।स्कूल नवीन गतिविधियों, नवीन तरीकों के माध्यम से बच्चों को कुछ नया देने का प्रयास करता रहता है। स्कूल द्वारा छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को वर्तमान रुझानों के बारे में सूचित करने का भी प्रयास किया जाता है। आज जब चंद्रयान-3 की सफल लॉन्चिंग हुई तो इस मजेदार पल को स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को लाइव दिखाया गया। स्कूल में छात्रों को चंद्रयान 3 के बारे में सारी जानकारी दी गई। श्री स्वामीनारायण एच.वी. विद्यालय के विद्यार्थी पूरे कार्यक्रम को देख सकें इसके लिए विद्यालय में ही विद्यार्थियों को सीधा प्रसारण दिखाने की व्यवस्था की गई तथा सभी अभिभावकों को भी सीधा प्रसारण का लिंक भेजा गया ताकि वे भी कार्यक्रम देख सकें चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण. चंद्रयान-3 की सफलता के लिए संस्था के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, प्रबंधन श्री दिनेशभाई गोंडलिया ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

गुजरात में अगले पांच दिन बारिश का पूर्वानुमान, 16 जुलाई से बढ़ेगा जोर होगी भारी से अतिभारी बारिश

अहमदाबाद। मौसम विभाग ने गुजरात में अगले पांच दिन बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। खासकर 16 जुलाई से राज्य में बारिश का जोर बढ़ेगा और कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिन सामान्य बारिश की संभावना व्यक्त की है। लेकिन दक्षिण गुजरात के सूरत, वलसाड, नवसारी, तापी और डांग में भारी बारिश हो सकती है। वहीं सौराष्ट्र और कच्छ में सामान्य बारिश होगी। अमरेली, भावनगर, बोटाद, राजकोट में सामान्य बारिश होगी। इस दौरान कहीं भारी बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 16 जुलाई से राज्य में बारिश का जोर बढ़ेगा। 16 जुलाई से 19 जुलाई के दौरान राज्य में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। अहमदाबाद और गांधीनगर में भी अच्छी बारिश की संभावना है। बता दें कि राज्य में मौसम की अब तक 60 प्रतिशत औसत बारिश हो चुकी है। जबकि सौराष्ट्र और कच्छ में यह आंकड़ा 8 6 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इस बीच पिछले 24 घंटों में राज्य की ।1 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक नवसारी जिले के गणदेवी में 4 ईंच, वलसाड के पारडी में सवा तीन ईंच, नवसारी के खेरगाम में तीन ईंच, चीखली में 2.90 ईंच बारिश हुई है। राज्य की । तहसीलों में दो ईंच और 21 तहसीलों में एक ईंच भी ज्यादा बारिश होने की खबर है।

आयुध द्वारा ऑरो यूनिवर्सिटी, सूरत में एज्युकेशन फॉर लाइफ एंड ग्लोबल सिटिजनशिप पर सी 20 यूथ कॉन्क्लेव आयोजित किया गया

सूरत।
सी 20 एजुकेशन एंड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वर्किंग ग्रुप कॉन्क्लेव के हिस्से के रूप में, आयुध ने ऑरो विश्वविद्यालय में एक विचारोत्तेजक युवा सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें आयुध गुजरात के 25 प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य सी 20 के कार्य समूहों में से एक शिक्षा और डिजिटल परिवर्तन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा को बढ़ावा देना है।

इस कोंक्लेव में आयुध सदस्यों के लिए चार महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार और अंतर्दृष्टि प्रस्तुत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया: 'सेवा शिक्षा के माध्यम से वैश्विक नागरिकता', 'शिक्षा प्रणाली में भारत की विरासत और प्राचीन संस्कृति', 'शिक्षा प्रणाली में माइंडफुलनेस एंड काउंसिलिंग' और 'भारतीय गुरुकुल - आत्मनिर्भर शिक्षा के लिए एक प्रेरणा'।

कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि डॉ. भावना कमलेश जोशीपुरा, वरिष्ठ अधिवक्ता, राजकोट की पूर्व महिला महापौर थीं। सम्मेलन का संचालन बी.आर.रामानंदमृत चैतन्य, निदेशक एम.ए. सेन्टर्स और आयुध अमेरिका द्वारा किया गया था। आयुध के राष्टीय समन्वयक ब्रह्मचारिणी अमृतात्मिका चैतन्य और ब्रह्मचारिणी निशिमा ने शिक्षा के लिए अम्मा के दृष्टिकोण और अम्मा के साथ उनके प्रत्यक्ष अनुभव और सम्मेलन के विषयों के संबंध में अम्मा की शिक्षाओं से महान सीख के बारे में बात की।

ब्रह्मचारिणी अमृतात्मिका चैतन्य ने कहा, "सी 20 कार्य समूह के तहत जीवन के लिए वास्तविक शिक्षा और शिक्षा प्रणाली के अनुकूलन के कार्यान्वयन पर इनपुट देने के लिए युवा सबसे अच्छा माध्यम है। युवा सम्मेलन ने यह सुनिश्चित किया कि अम्मा द्वारा परिकल्पित बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा में करुणा को एकीकृत करने के साथ-साथ युवाओं पर प्रभाव डालने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को पेश किया जाए।

जीजेसी ने भारत को आभूषण पर्यटन केंद्र बनाने की योजना बनाई

सूरत।
आभूषण निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और निर्यातकों को एकजुट करने वाले शीर्ष व्यापार निकाय, अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने आज अपनी तरह के पहले इंडिया ज्वेलरी शॉपिंग फेस्टिवल (आईजेएसएफ) की घोषणा की, जिसे 12 अक्टूबर से 17 नवंबर तक देश भर के 300 शहरों में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रव्यापी शॉपिंग फेस्टिवल में 5000 से अधिक आभूषण खुदरा विक्रेताओं और वितरकों के भाग लेने की उम्मीद है और यह पूरे उद्योग में समग्र व्यापार भावना को बढ़ावा देने में सहायता भी करेगा। आईडीटी जेमोलॉजिकल लेबोरेटरीज वर्ल्डवाइड इस आयोजन के शीर्षक प्रायोजक है और डिवाइन सॉलिटेयर्स सह-प्रायोजक है।

यह महोत्सव बी2बी और बी2सी दोनों सेगमेंट को लाभ प्रदान करेगा। व्यवसाय के मालिक नामांकन शुल्क का भुगतान करके और उनके लिए उपलब्ध कई सदस्यता योजनाओं में से किसी एक को चुनकर उत्सव का हिस्सा बन सकते हैं। बी2बी सेगमेंट के लिए यह स्कीम 1 जून से 31 अक्टूबर तक चलेगी।

जीजेसी के निदेशक और आईजेएसएफ संयोजक श्री दिनेश जैन ने बताया, "भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 2021-22 में 39.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 54.68% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई है। दुनिया भर के लगभग 200 देशों में से केवल 10त्न आभूषण निर्माण में शामिल हैं, जो इस उद्योग के भीतर अपार संभावनाओं को दर्शाता है। आईजेएसएफ के लॉन्च का उद्देश्य भारत में आभूषण पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ इसके विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त जटिल डिजाइन और असाधारण शिल्प कौशल का लाभ उठाना है। हमारा लक्ष्य भारत को आभूषण प्रेमियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाना और इसे वैश्विक आभूषण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। पर्यटन मंत्रालय के साथ सहयोग करते हुए, हम आकर्षक टूर पैकेज पेश करके आभूषण पर्यटन को बढ़ावा देना चाहते हैं। इसके अलावा, हम प्रस्थान करने वाले पर्यटकों के लिए आयात शुल्क और जीएसटी रिफंड की सुविधा के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं। आईजेएसएफ के लिए हमारा दृष्टिकोण दुबई शॉपिंग फेस्टिवल की सफलता का अनुकरण करना है, जो वैश्विक व्यापार नेताओं और उपभोक्ताओं का पर्याप्त ध्यान आकर्षित करता है। आईजेएसएफ के पास कई आकर्षक ऑफर होंगे और उन्हें 40 किलोग्राम तक सोना, 3 करोड़ रुपये के आभूषण और डिवाइन सॉलिटेयर हीरे से जड़ित 100 सोने के सिक्के जीतने का मौका मिलेगा। इन मेगा पुरस्कारों के अलावा, भारत की आजादी के 75 वर्षों को समर्पित 3000 किलोग्राम मूल्य के सीमित-संस्करण अमृत महोत्सव चांदी के सिक्के ग्राहकों को 25000 रुपये की प्रत्येक खरीद पर निश्चित उपहार के रूप में वितरित किए जाएंगे।

इस पूरी तरह से डिजिटलीकृत पहल से 2.4 मिलियन उपभोक्ताओं को आकर्षित करने और 12000 करोड़ रुपये की बिक्री होने की उम्मीद है। आभूषण मूल्य श्रृंखला से अपेक्षित योगदान 100 करोड़ रुपये और विदेशी मुद्रा से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है। जीजेसी के अध्यक्ष श्री सैयाम मेहरा ने कहा, "आईजेएसएफ में संपूर्ण आभूषण समुदाय के लिए अपार संभावनाएं हैं, जिसमें प्रमुख उद्योग के खिलाड़ियों ने पहले ही उल्लेखनीय रुचि दिखाई है। यह आयोजन ज्वैलर्स को ग्राहकों को आकर्षित करने और उनकी बिक्री बढ़ाने में सक्षम बनाता है, जबकि उपभोक्ता शादियों और अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों के लिए वास्तव में विशिष्ट वस्तुओं का पता लगा सकते हैं और उन्हें आरक्षित कर सकते हैं। जेम एंड ज्वैलरी काउंसिल (जीजेसी) को इस कार्यक्रम में संपूर्ण मूल्य श्रृंखला की भागीदारी की उम्मीद है, जो महत्वपूर्ण राजस्व अवसरों का वादा करता है। इसके अलावा, यह आयोजन उद्योग को बढ़ावा देने और उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। जीजेसी स्थापित बिजनेस मॉडल वाले प्रतिष्ठित ज्वैलर्स की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है, व्यावसायिकता को बढ़ावा देता है और सर्वोत्तम व्यावसायिक प्रथाओं का पालन करता है।"

बजाज अलियांज लाइफ ने बजाज अलियांज लाइफ एसीई के साथ पेश की नई सेविंग स्कीम

पुणे। प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज अलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने आज अनूठा सेविंग प्लान लॉन्च किया। बजाज अलियांज लाइफ एसीई एक नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग, अर्ली इनकम लाइफ इंश्योरेंस प्लान है जो ग्राहकों को अपनी जरूरत के हिसाब से वित्तीय आवश्यकताओं के अनुसार नकदी प्रवाह को अनुकूलित करने के लिए बेहतर लचीलापन प्रदान करता है। पार्टिसिपेटिंग या सेविंग लाइफ इंश्योरेंस प्लान ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हैं क्योंकि यह सुरक्षा, नकदी और रिटर्न जैसी विशेषताएं देते हैं। बजाज अलियांज लाइफ की मौजूदा बचत योजनाएं न केवल इन सुविधाओं के साथ आती हैं, बल्कि कंपनी द्वारा नियमित रूप से घोषित उच्च रिटर्न और बोनस भी मिलता है। अपने नए सेविंग प्लान बजाज अलियांज लाइफ एसीई के साथ कंपनी ने अपनी सेविंग प्लान द्वारा दिए जाने वाले लाभों को और मजबूत किया है।

बजाज अलियांज लाइफ एसीई उन सभी ग्राहकों के लिए बेहतर पसंद है जो अपने कई तरह के जीवन लक्ष्यों विभिन्न जीवन लक्ष्यों की योजना बनाने के लिए अपने आय प्रवाह को बनाने और नियंत्रित करने के इच्छुक हैं। इस प्रोडक्ट के माध्यम से ग्राहक अब आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनाने के लिए या तो एकमुश्त बड़ी आय चुन सकते हैं या नियमित आय और एकमुश्त दोनों के संतुलन का आनंद ले सकते हैं। यह सारी सुविधाएं जीवन बीमा के अतिरिक्त है। पार्टिसिपेटिंग या सेविंग लाइफ इंश्योरेंस प्लान में आमतौर पर ग्राहकों को इस तरह का लचीलापन नहीं मिलता और न ही उन्हें अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी आय प्रवाह को तय करने की पसंद मिल पाती है जो कि यहां मिल रही है।

बजाज अलियांज लाइफ के एमडी और सीईओ श्री तरूण चुघ ने कहा, "पारंपरिक बचत उत्पादों को ग्राहकों के लिए और अधिक फायदेमंद बनाने के लिए, मुझे पहली बार किसी पार्टीसिपेटिंग प्लान में उन्नत फ्लेक्सिबिलिटी को पेश करते हुए खुशी हो रही है। यह सुविधा ग्राहकों को चुनने की शक्ति प्रदान करेगी। अपने वित्तीय लक्ष्य के आधार पर ग्राहक आय का स्तर चुन सकते हैं, वे कब और कितने समय के लिए आय चाहते हैं, और वे अपना नकदी प्रवाह कैसे चाहते हैं। यह पहले संभव नहीं था। हमारे लगातार पिछले प्रदर्शन से समर्थित यह फ्लेक्सिबिलिटी मुझे विश्वास दिलाती है कि हमारी नई बचत योजना का हमारे ग्राहकों के वित्तीय पोर्टफोलियो में एक मजबूत स्थान होगा।"बजाज अलियांज लाइफ एसीई की कुछ खासियतः बजाज अलियांज लाइफ एसीई विविध आय विकल्प की अपनी बड़ी खासियत के साथ लचीलापन देता है। इसमें ग्राहक पॉलिसी की शुरुआत में वांछित आय, आय प्रारंभ वर्ष, आय अवधि, परिपक्वता लाभ को अपने लक्ष्यों के अनुसार समायोजित कर सकते हैं और बहुत कुछ चुन सकते हैं! यह सुविधा सुनिश्चित करती है कि जीवन कवर प्राप्त करने के अलावा ग्राहक केवल इस एक प्लान से अपनी विविध वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

जियोसिनेमा द्वारा 22 जुलाई को रिलीज़ होने वाली गुजराती फिल्म 'चांदलो' में एक सास और बहू के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है

जियोसिनेमा 22 जुलाई को एक गुजराती पारिवारिक ड्रामा फिल्म, "चांदलो" का प्रीमियर करने के लिए तैयार है। भावपूर्ण और दिल को छू लेने वाली यह कहानी प्रेम, करुणा और निस्वार्थता की असीम शक्ति के महत्व को दिखाते हुये एक सास और बहू के रिश्ते की पेचीदगी और विशेष बंधन को दर्शाती है। हार्दिक गज्जर द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में काजल ओझा, मानव गोहिल और श्रद्धा डांगर जैसे प्रतिभाशाली कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत व ज्योति देशपांडे, पूनम श्रॉफ और पार्थ गज्जर द्वारा निर्मित यह फ़िल्म एक विधवा सास और उसकी बहू के जीवन को बड़ी खूबसूरती से पेश करती है, जो साथ में रहती हैं और एक-दूसरे के सानिध्य में सुकून पाती हैं।

सास और बहू की यह यात्रा उनके प्यार की गहराई और एक-दूसरे के जीवन पर गहरे प्रभाव को उजागर करती है।

यह फिल्म इस बेहतरीन रिश्ते की पेचीदगियों और बारीकियों को सामने लाते हुए दर्शकों को भावनात्मक उतार चढ़ावों से गुज़ारती है। एक मनोरम कथा के माध्यम से, "चांदलो" इन दो शानदार महिलाओं के बीच साझा किए गए निस्वार्थ प्रेम, करुणा और सम्मान को खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। उनका परस्पर अडिग समर्थन और आपसी समझ उनकी कहानी के पीछे की प्रेरक शक्ति बनती है, जिससे यह लचीलेपन, ताक़त और अटूट बंधन की एक बेहतरीन कहानी बन जाती है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए लेखिका और अभिनेत्री काजल ओझा ने बताया, "यह मेरी लघु कहानी "चांदलो" पर आधारित एक बोल्ड लेकिन संवेदनशील गुजराती फ़िल्म है। ये तीन विभिन्न दृष्टिकोणों वाली एक प्रेम कहानी है, जो एक प्वाइंट पर आकर मिलते हैं। यह प्वाइंट है "चांदलो", हमारे माथे पर एक जगह, जहां हम समझते हैं कि हमारा भाग्य लिखा हुआ है। जीवन में उम्र के अलग अलग-अलग पड़ावों में दो अकेली महिलाएं प्यार की तलाश में हैं। लेकिन खुश और आज़ाद होने का दिखावा करते हुए, सास और बहू के बीच एक अद्भुत बंधन साझा करती हैं।

सबसे प्रीमियम भारतीय व्हिस्की, ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व कलेक्शन ने हासिल किया 1 मिलियन केस का मील का पत्थर

प्रतिष्ठित ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड की ओर से एक बेहतरीन पेशकश और सबसे प्रीमियम भारतीय व्हिस्की सीग्रेम्स ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व कलेक्शन ने एक वर्ष (जुलाई 22 से जून 23) में 10 लाख से अधिक केस की बिक्री करते हुए एक अहम मील का पत्थर हासिल किया है। सबसे बेहतरीन भारतीय व्हिस्की की कैटेगरी में अपने प्राइस सेगमेंट में दस लाख से अधिक केस बेचने वाला यह पहला ब्रांड बन गया है (कैटेगरी में तीसरा सबसे बड़ा ब्रांड बन गया है), बीते 3 वर्षों में इसकी वार्षिक बिक्री में 30त्न (सीएजीआर) की प्रभावशाली ग्रोथ देखने को मिली है।

इस अहम उपलब्धि पर बात करते हुए, परनोड रिकार्ड इंडिया के चीफ मार्केटिंग आफिसर, कार्तिक मोहिंद्रा ने कहा, "ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व कलेक्शन ने सफलता का एक नया मानदंड स्थापित किया है, यह आज भारतीय प्रीमियम व्हिस्की श्रेणी में तीसरा सबसे बड़ा ब्रांड बन गया है। इसकी प्रभावशाली वृद्धि इस बात की पुष्टि करती है कि भारतीय ग्राहक इसके स्मूथ और स्वादिष्ट टेस्ट को बहुत पसंद कर रहे हैं। यह बेहतरीन भारतीय व्हिस्की की तलाश करने वालों के बीच एक सबसे पसंदीदा ब्रांड बनता जा रहा है।"

उन्होंने कहा, "भारत दुनिया का सबसे बड़ा व्हिस्की बाजार है, और प्रीमियम व्हिस्की श्रेणी बेहद तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। हाल के वर्षों में, इस कैटेगरी में खपत की आदतों को लेकर एक बड़ा बदलाव देखने का मिल रहा है, यहां युवा उपभोक्ता पहले से अधिक प्रीमियम विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व कलेक्शन प्रीमियम व्हिस्की की ओर बढ़ते रुझान को समझ रहा है, यहा कारण है कि ब्रांड ने 10 लाख केस की बिक्री का महत्वपूर्ण आंकड़ा छू लिया है। हम इसके भविष्य को लेकर बेहद रोमांचित हैं और हमें भरोसा है कि यह हमारे ग्राहकों की बदलती मांगों को पूरा करते हुए हमेशा आगे बढ़ता रहेगा।"

आज के युवा ग्राहक स्वभाव से अधिक समझदार हो गए हैं और हमेशा एक बेहतरीन अनुभव की तलाश में रहते हैं। ग्राहकों की इसी बदलती पसंद के चलते, व्हिस्की लगातार प्रीमियम होती जा रही है। ब्लेंडर्स प्राइड रिजर्व कलेक्शन इसी तेजी से प्रीमियम होने की प्रवृत्ति की पहचान के रूप में सामने आई है। IWSR 2022 रिपोर्ट के अनुसार 'इंडियन प्रीमियम व्हिस्की' कैटेगरी के साथ-साथ यह अपने प्राइस सेगमेंट के दूसरे ब्रांड की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ रही है। ब्लेंडर्स प्राइड पोर्टफोलियो में 11% से अधिक वॉल्यूम का योगदान देते हुए, यह आधुनिक टेस्ट की चाहत रखने वालों के लिए एक पसंदीदा भारतीय व्हिस्की ब्रांड बन गया है। ब्रांड की सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारत के युवा उपभोक्ता इस स्वादिष्ट व्हिस्की की ओर तेजी ये आकर्षित हो रहे हैं और इसके शानदार टेस्ट के लिए अधिक कीमत चुकाने के लिए भी तैयार हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)